pawankamalhindi@gmail.com
बुलंदशहर व अलीगढ़ से प्रकाशित मेरठ हापुड़ मथुरा आगरा, नोएडा, कानपुर, लखीमपुर लखनऊ हरियाणा के साथ राजधानी दिल्ली से एक साथ प्रसारित

सूर्योदय : 5:25 सुबह
सूर्यास्त : 7:05 शाम

प्रातः संस्करण हिन्दी दैनिक
www.dainikpawankamal.com

पवन कमल

देश पर नज़र

आज का सुविचार

एक समय में एक काम करो , और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमे डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ

RNI : UPHIN/2019/79002

4 प्रकृति का त्योहार है तीज
5 रेडक्रॉस सोसाइटी की राज्य शाखा के सभापति बने ब्रजेश पाठक, अरुण कोषाध्यक्ष
7 राजस्थान में फिर सक्रिय हुआ मानसून, भारी बारिश का अलर्ट

वर्षः 06 | अंक -215 | बुलंदशहर | रविवार, 27 जुलाई 2025 | पृष्ठ - 8 | मूल्यः 03 रूपये

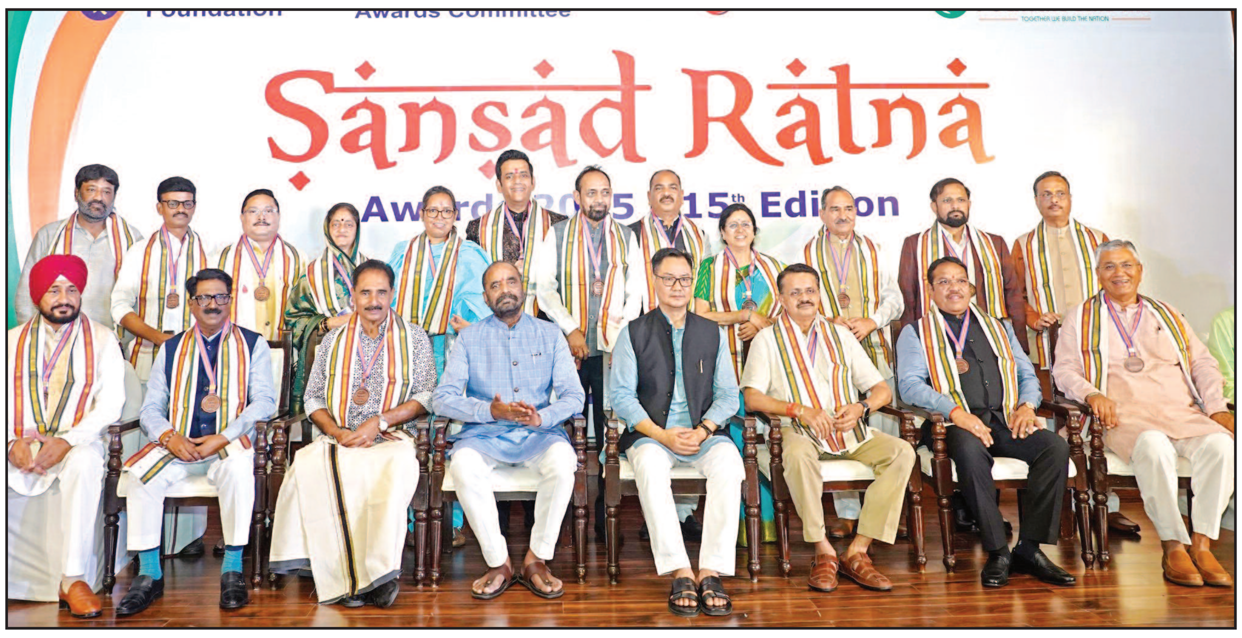

संसद रत्न पुरस्कार से नवाजे गए रवि किशन समेत 17 सांसद

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में बेहतर काम करने पर 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इन सांसदों ने लोकसभा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इसके अलावा चार सांसदों को विशेष जूरी पुरस्कार दिया।

संसद रत्न पुरस्कार पाने वालों में गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन, एनसीपी शरद की सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत समेत 17 सांसद शामिल हैं। वहीं तीन कार्यकालों में संसदीय लोकतंत्र में निरंतर योगदान देने वाले चार सांसदों को चार विशेष जूरी पुरस्कार दिए गए। इसमें ओडिशा से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, केरल के सांसद एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना सांसद श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं।

संसद रत्न पुरस्कार पाने वाले सांसदों में स्मिता उदय वाघ (भाजपा), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), विद्युत बरन महतो (भाजपा) और दिलीप सैकिया (भाजपा) शामिल हैं।

संसदीय समिति को भी मिला सम्मान

संसदीय समिति श्रेणी में भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली वित्त संबंधी स्थायी समिति और डॉ. चरणजीत सिंह चन्नी (कांग्रेस) की अध्यक्षता वाली कृषि संबंधी स्थायी समिति को उनकी रिपोर्टों की गुणवत्ता तथा विधायी निगरानी में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

क्या है संसद रत्न पुरस्कार?

संसद रत्न पुरस्कार की शुरुआत 2010 में हुई थी और यह पुरस्कार उन सांसदों को दिए जाते हैं जो पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने के लिए संसद में सक्रिय रहते हैं। इसका उद्देश्य सांसदों को प्रोत्साहित करना और जनता के बीच संसदीय कार्यवाही को लोकप्रिय बनाना है। ये पुरस्कार संसद में सक्रियता, बहस में भागीदारी, प्रश्न पूछने और विधायी कामकाज में योगदान के आधार पर दिए जाते हैं। यह पुरस्कार प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की तरफ से शुरू किया गया है। इस वर्ष के विजेताओं का चयन जूरी कमेटी ने किया, जिसकी अध्यक्षता हंसराज अहीर, (राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष) ने की।

मुठभेड़ में 4 नक्सली ढेर, कई ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ की बीजापुर पुलिस को आज बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए। बता दें कि बासागुड़ा थाना क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ अभी भी जारी है।

डीआरजी, सीआरपीएफ और कोबरा की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस ने जानकारी दी कि मुठभेड़ के दौरान ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद किए गए हैं।

इससे पहले शनिवार सुबह झारखंड के गुमला में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। लावादग गांव में मौजूद झारखंड जन मुक्ति परिषद के तीन नक्सली को ढेर किया गया जबकि दो नक्सली भागने में सफल रहे।

12 पासपोर्ट और 40 देशों की यात्रा

फर्जी राजदूत खूब बना रहा था माल, तुर्की से आए करोड़ों रुपए

संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के हर्षवर्धन जैन द्वारा फर्जी दूतावास चलाने के मामले में चौंकाने वालीं जानकारियां सामने आ रही हैं। उसके पास कथित तौर पर 12 राजनयिक पासपोर्ट थे। उसने पिछले 10 साल में लगभग 40 देशों की यात्रा की थी। उसके भारत में 12 और विदेश में 8 बैंक खाते हैं। विदेशों में नौकरी दिलाने का झूठा वादा कर वह मोटी कमाई करता था। उसने तुर्की के एक नागरिक से 20 करोड़ रुपए का लेनदेन किया था। वह फर्जी वाणिज्य दूतावास चला रहा था और खुद को अस्तित्व विहिन देश वेस्टआर्कटिका का राजनयिक बताता था। एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (यूपी-एसटीएफ) ने हर्षवर्धन जैन के

खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस हासिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही उसकी विदेशी गतिविधियां और पैसों की लेनदेन संबंधी जांच के लिए पुलिस हिरासत में देने के लिए आवेदन किया है। यह कदम तब उठाया गया है जब जांचकर्ताओं ने बताया कि उन्हें ऐसे सबूत मिले हैं जिनसे पता चलता है कि 2002 और 2004 के बीच तुर्की नागरिक सैयद एहसान अली ने जैन को कुल 20 करोड़ रुपए का कथित लेनदेन किया था। इसके अलावा जैन के बैंक खातों की एक लिस्ट भी मिली है। उसके भारत में 12 और विदेश में 8 बैंक खाते हैं। इनमें दुबई में 5, लंदन में 2 और मॉरीशस में एक बैंक खाता है। इंडियन एक्सप्रेस ने जांच का हवाला देते हुए बताया कि जैन ने ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, तुर्की, फ्रांस, इटली, बुल्गारिया, कैमरून, स्विट्जरलैंड, पोलैंड, श्रीलंका और बेल्जियम जैसे देशों का दौरा किया था। एसटीएफ की नोएडा इकाई के अनुसार, जांच से पता चला है कि जैन विदेशों में नौकरी दिलाने का झूठा वादा कर लोगों से सौदेबाजी भी करता था। जांच के दौरान पता चला कि जैन अपनी फर्जी कंपनियों के संचालन के लिए कई खाड़ी और यूरोपीय देशों का दौरा करता था।

[पुलिस कांस्टेबल भर्ती के अभ्यर्थियों को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत]

सिपाहियों को अनफिट घोषित करने का आदेश रद

संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2015 के कई अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें मेडिकली अनफिट घोषित करने की मेडिकल रिपोर्ट को रद्द कर दिया है। विभिन्न रोगों के डॉक्टरों का नया मेडिकल बोर्ड गठित कर नियत तिथि व समय पर बुलाकर उनकी दोबारा मेडिकल जांच कराने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल जांच में फिट पाए जाने वालों को वरिष्ठता के साथ नियुक्ति दी जाए।

यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार ने चंद्रकांत व दर्जनों अन्य की याचिकाओं पर वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम एवं अधिवक्ता मनीषा चतुर्वेदी और सरकारी वकील को सुनने के बाद याचिकाएं स्वीकार करते हुए दिया है। याचिकाओं के अनुसार वर्ष 2015 की पुलिस कांस्टेबल भर्ती में चयनित याचियों का मेडिकल कराया गया। नियुक्ति आदेश दो मई 2018 और तीन मई 2018 को जारी किए गए थे। हालांकि नियुक्ति आदेश जारी होने के बाद याचियों को फिर से मेडिकल जांच से गुजरना पड़ा,

जिसमें उन्हें अस्थायी बीमारियों के कारण चिकित्सकीय रूप से अनफिट पाया गया। कई याचियों को विभिन्न अस्थायी बीमारियों से ग्रसित पाया गया था। चंद्रकांत, अरविंद सिंह पटेल व विवेक कुमार शुक्ल पाइल्स से पीड़ित थे। पुष्पराज सिंह को तपेदिक था।

कमलेश कुमार के सुनने में कमी पाई गई। नीतीश कुमार में अपर्याप्त डेंटल प्वाइंट थे। सुनील कुमार पटेल हार्निया से पीड़ित थे। शिव प्रसाद गुप्ता को हाइड्रोसील था। महमूद अली को फेशियल पाल्सी था। राजेश कुमार को उच्च रक्तचाप था। हिमांशु शुक्ल को दूर दृष्टि और अधिक वजन की समस्या थी। शिव कुमार को विटिलिगो ग्लैंड पेनाइल और अपर्याप्त डेंटल प्वाइंट थे। याचियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम का कहना था कि उनकी मेडिकल जांच में दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया गया और मेडिकल जांच विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा नहीं की गई थी।

कहा गया कि सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल द्वारा उन्हें चिकित्सकीय रूप से फिट घोषित किए जाने के बावजूद, रिव्यू मेडिकल बोर्ड ने उन्हें फिर से अनफिट घोषित कर दिया। सीनियर एडवोकेट ने अपने तर्क में कहा कि रिव्यू मेडिकल दिशा निर्देशों के अनुसार नहीं किया गया था और बोर्ड में संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं थे। कुछ मामलों में जैसे आंतरिक बवासीर, सर्जरी के बाद पर्याप्त सांस लेने का समय नहीं दिया गया था।

कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि विपक्षी यह दिखाने में विफल रहे कि रिव्यू मेडिकल बोर्ड में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की राय का खंडन करने के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉक्टर थे। कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट और त्रिपुरा हाईकोर्ट के समान मामलों का भी उल्लेख किया, जहां इसी तरह की परिस्थितियों में अभ्यर्थियों को राहत मिली थी।

20 वाहनों को रौंदता चला गया ट्रक, एक की मौत

एजेंसी

मुंबई। पुणे एक्सप्रेसवे पर शनिवार को भीषण हादसा हो गया। यहां एक अनियंत्रित कंटेनर ट्रेलर ट्रक 18 से 20 वाहनों को रौंदता चला गया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई है जबकि 19 से 20 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के मुताबिक ट्रक ने जिन वाहनों को टक्कर मारी है उनमें कई बीएमडब्लू और मर्सिडीज लग्जरी कारें भी शामिल थीं। हादसा खोपोली पुलिस स्टेशन के अंतरगत रायगढ़ जिले में हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ब्रेक फेल होने की वजह से ट्रक अनियंत्रित हो गया था। इसके बाद वह कारों को टक्कर मारता और रौंदता चला गया। अधिकारी ने बताया कि घायलों को नवी मुंबई के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। खोपोली पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। मेडिकल जांच में पता चला है कि ट्रक चलाने के दौरान उसने शराब नहीं पी रखी थी। हादसे को लेकर एक केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच की जा रही है। इस हादसे के बाद मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर दत्ता फूड मॉल के पास लगभग पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। बता दें कि मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे भारत का सबसे व्यस्त रहने वाला एक्सप्रेसवे है। इसपर से रोज लगभग डेढ़ से दो लाख वाहन गुजरते हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इस हादसे में तीन वाहन पूरी तरह से कुचल गए हैं।

पाकिस्तान को सबक सिखाने में भारतीय सेना को नहीं लगे 22 मिनटः सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कारगिल विजय दिवस-25 कार्यक्रम में हुए शामिल

संवाददाता

लखनऊ। पाकिस्तान और उसके आतंकवाद ने पुलवामा में 22 निर्दोष यात्रियों को अपना शिकार बनाया। वहीं भारतीय सेना को पूरे पाकिस्तान को सबक सिखाने में 22 मिनट भी नहीं लगे। उन्होंने पाकिस्तान के आतंकी कैंप को तहस-नहस कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पुलवामा में दुस्साहस करने वालों को कीमत चुकाने की बात कही थी। भारतीय सेना के साहस और पराक्रम को देखकर पाकिस्तान अमेरिका की शरण में पहुंचा। भारत एक मोर्चे पर कई देशों से लड़ रहा था। इसके बावजूद भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान की एक नहीं चली। फिर अंत में

पाकिस्तान को समर्पण के लिए मजबूर होना पड़ा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कारगिल विजय शहीद दिवस-25 कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग सत्ता में आने के बाद परिवारवाद के सहारे जातिवाद से सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करने का काम करते हैं। जब भी हम ऐसी प्रवृत्ति के लोगों के चंगुल में फंसते हैं, हमे बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। हमारे पास योद्धाओं, वैभव और बुद्धि की कमी नहीं है, लेकिन उस दौरान कुछ लोगों ने अपने हित के लिए देश को बांटने का काम किया, जिससे देश गुलाम हुआ। आज भी कुछ राजनीतिक दल बांटने का काम कर रहे हैं। उस दौरान भी विभाजन हमारी कमजोरी था। फिर से हमें विभाजन से बचने की आवश्यकता है। हमें एक भारत श्रेष्ठ भारत को समर्थ और सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। सीएम ने कहा कि कारगिल विजय दिवस का संदेश भी यही है। उन्होंने कहा कि जिन वीर सैनिकों ने अपना बलिदान दिया है, उनकी प्रेरणा यही है कि हम एक भारत श्रेष्ठ भारत के माध्यम से ही एक सशक्त और समर्थ भारत की परिकल्पना को साकार करें।

भारी बारिश से उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में तबाही

कई मकान मलबे में दबे, दर्जनभर वाहन क्षतिग्रस्त

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। शुक्रवार रात अगस्त्यमुनि क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि से भारी तबाही मची। बगरधार में चार मकान मलबे में दब गए, जबकि एक दर्जन से अधिक घरों में मलबा घुस गया। नाकोट व बैंक कालोनी में भी कई घरों में पानी घुस गया। वहीं धान्यू में भी एक दर्जन आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचा है। आपदा की क्षति का आकलन के लिए राजस्व व नगर पंचायत की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में गईं। शुक्रवार रात्रि पूरी केदारघाटी में तेज वर्षा के साथ ही अतिवृष्टि हुई। इससे अगस्त्यमुनि नगर पंचायत व आस-पास के क्षेत्रों में भारी तबाही मची। रूमसी में अतिवृष्टि से सैकड़ों कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है, जबकि आस-पास के क्षेत्र गिंवाली व सौडी, सिलकोट क्षेत्र में भी तेज वर्षा से भारी नुकसान हुआ। कई घरों की सुरक्षा दीवार, गोशालाएं, पेयजल लाइन, सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त हो गईं।

एक दर्जन घरों में घुसा मलबा व पानी नगर पंचायत अगस्त्यमुनि व चमेली ग्राम सभा में बगरधार में देर रात अतिवृष्टि से यहां एक दर्जन घरों में मलबा व पानी घुस गया, जिससे कई मकान खतरे की जद में आ गए हैं। चार आवासीय भवन मलबे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। राजस्व विभाग की टीम और नगर पंचायत अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गोस्वामी, सभासद सोनिया सजवाण ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया।

2025 एशिया कप का शेड्यूल जारी

28 सितंबर को खेला जाएगा फाइनल 2025 एशिया कप

एजेंसी

हैदराबाद। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट इस साल सितंबर में खेला जाएगा। इसकी घोषणा एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को की । टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जाएगा।

2025 का एशिया कप के शेड्यूल की घोषणा कर दी गई है। इसके मुताबिक टूर्नामेंट का आगाज 9 से सितंबर से होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा।

भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए एशिया कप का यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। एशिया कप का प्रारूप आम तौर पर आईसीसी के अगले वैश्विक टूर्नामेंट के मुताबिक होता है।

एशिया कप के आयोजन स्थल का निर्णय 24 जुलाई को एसीसी की बैठक में किया गया। इस बैठक में सभी 25 सदस्य देशों ने भाग लिया था। हालांकि टूर्नामेंट का मेजबान बीसीसीआई है, लेकिन इसे यूएई में आयोजित किया जा रहा है क्योंकि भारत और पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच मौजूदा तनाव के कारण 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर मैच खेलने के लिए तैयार हो गए हैं।

वहीं एसीसी के प्रसारकों के साथ हुए एग्रीमेंट के अनुसार, भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा और सुपर सिक्स चरण में भी उन्हें एक-दूसरे से भिड़ने का एक और मौका मिलेगा। यदि दोनों टीम फाइनल में पहुंचती है तो टूर्नामेंट में तीसरे मैच की भी संभावना होगी।

बता दें कि 2025 एशिया कप में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। पहली बार ऐसा होगा कि एशिया कप में इतनी टीमें होंगी। एशिया कप का आयोजन पहली बार 1984 में हुआ था और अब तक कुल 16 बार एशिया कप खेला जा चुका है। मगर 2025 में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब एशिया कप में कुल 8 टीम हिस्सा ले रही होंगी। इन 8 टीमों के नाम भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, हांगकांग , यूएई और ओमान है।

कल्प केदार मंदिर परिसर में खोदाई के दौरान मिले रहस्यमयी शिलाखंड

एजेंसी

उत्तरकाशी। गंगोत्री यात्रा के प्रमुख पड़ाव धराली में स्थित प्राचीन कल्प केदार मंदिर परिसर में खोदाई के दौरान तराशे हुए शिलाखंड मिल रहे हैं। ग्रामीण बताते हैं कि हैं कि यहां कभी 240 मंदिरों का समूह था, जो कालांतर में खीर गंगा नदी की बाढ़ के साथ आए मलबे में दब गए।

हाल ही में मंदिर समिति की ओर से मंदिर के विस्तारीकरण के तहत प्रांगण में खोदाई शुरू की गई तो यहां प्राचीन शिलाखंड मिलने शुरू हुए। मंदिर समिति का कहना है कि पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की ओर खोदाई का कार्य हो तो दबे हुए मंदिरों के अवशेष मिल सकते हैं।

जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से 75 किमी की दूरी पर धराली गांव में हाईवे से करीब 50 मीटर की दूरी पर प्राचीन

कल्प केदार मंदिर स्थित है। कहते हैं कि आदि शंकराचार्य ने सनातन धर्म के पुनरुत्थान को यहां 240 मंदिर का समूह स्थापित किया था। लेकिन, 19वीं सदी की शुरुआत में श्रीकंठ पर्वत से आने वाली खीर गंगा नदी में आई बाढ़ में कई मंदिर मलबे में दब गए। वर्ष 1816 में गंगा (भागीरथी) के उद्गम की खोज में निकले अंग्रेज यात्री जेम्स विलियम फ्रेजर ने अपने यात्रा वृत्तांत में धराली के मंदिरों में विश्राम करने का उल्लेख किया है।

आरओ-एआरओ परीक्षा प्रदेश के 2382 केंद्रों पर आज

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के इतिहास की सबसे बड़ी परीक्षा समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 पर निगरानी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। यह परीक्षा 27 जुलाई को प्रदेश के 2382 केंद्रों पर होगी। इससे पूर्व 11 फरवरी 2024 को हुई इसी परीक्षा में पेपर लीक हो गया था और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को परीक्षा निरस्त करनी पड़ी थी। यह परीक्षा अब डेढ़ साल बाद होने जा रही है और इस दौरान परीक्षा की पारदर्शिता व निगरानी के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए।

आरओ/एआरओ परीक्षा पहली बार आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस (एआई) की निगरानी में होगी। किसी भी गड़बड़ी की आशंका पर कंट्रोल रूम को सीधे अलर्ट मिल जाएगा और गड़बड़ी को रोका जा सकेगा। परीक्षा कक्ष में अगर कोई अभ्यर्थी उधर-उधर देखना है या धीमे से भी कुछ बोलता है तो एआई तकनीकी मदद से उसे तुरंत चिह्नित

कर लिया जाएगा। सिर्फ अभ्यर्थी ही नहीं बल्कि कक्ष निरीक्षकों पर भी एआई की निगरानी होगी ताकि किसी भी तरह से गड़बड़ी की कोई आशंका न रह जाए। आरओ/एआरओ के 411 पदों पर भर्ती के लिए 1076004 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। आयोग को पहली बार इस परीक्षा के लिए प्रदेश के सभी जिलों में केंद्र बनाने पड़े हैं। प्रयागराज में कुल 106 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदमः खुर्शीद मंसूरी

सपना वर्मा ब्यूरो चीफ

बिजनौर। आज प्राथमिक विद्यालय 2. काटरो वाली रोड साहनपुर, में नगर पंचायत साहनपुर द्वारा मेरे प्रयास से बनवाए गए बच्चों के लिए नए क्लास रूम का उद्घाटन किया गया। यह हमारे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक छोटा लेकिन अहम प्रयास है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक मुदस्सिर, बृजेश, सुहैल मंसूरी सहित सभासद शाहिद, फुरकान अहमद, नसीम एडवोकेट, अबरार एडवोकेट, मकबूल अहमद, फहीम अहमद की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिक्षा क्षेत्र मे हमारा प्रयास साहनपुर G.G.I.C कॉलेज का निर्माण कराया लाइब्रेरी स्थापित कीडिजिटल लाइब्रेरी का कार्य प्रगति पर है हर वर्ष मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाता है हमारा संकल्प है – साहनपुर को शिक्षा और विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना। आप सभी के सहयोग और दुवाओं से साहनपुर लगातार विकास की ओर बढ़ रहा

डीएम व एसएसपी ने परीक्षा केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

▸▸ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित होने वाली है परीक्षाएं।

संवाददाता पवन कमल

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित होने वाली सहायक समीक्षा अधिकारी व समीक्षा अधिकारी की परीक्षा सम्पन्न को सकुशल, सुचितापूर्ण, नकलविहीन सम्पन्न कराने हेतु परीक्षा केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं का जिलाधिकारी श्रुति एवं एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने रेनेसां स्कूल, डीपीएस स्कूल में निरीक्षण करते हुए जायजा लिया। परीक्षा कक्षों, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, प्रश्न पत्रों को रखने हेतु बनाए गए कक्ष का निरीक्षण करते हुए निर्देशित किया गया कि आयोग के निर्देशों के अनुसार सभी व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। परीक्षा को सुचिता के साथ सम्पन्न कराने हेतु सतत निगरानी रखें। प्रश्न पत्रों को संबंधित व्यक्तियों की उपस्थिति में ही खोला जाए। सीसीटीवी कंट्रोल रूम से भी परीक्षा कक्षों में निगरानी रखे। परीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट में बनाए गए कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण करते हुए कंट्रोल द्वारा परीक्षा केंद्रों की निगरानी हेतु की जाने वाली व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर एएसपी ऋजुल, जिला विद्यालय निरीक्षक विनय कुमार, आयोग के प्रतिनिधि सहित केंद्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।

बाबूजी कल्याण सिंह की समाधि पर स्मृति स्थल बनाए जाने को लेकर संदीप भैया का किया स्वागत

संवाददाता पवन कमल

बुलंदशहर । अतरौली उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पूर्व राज्यपाल पद्म विभूषण से सम्मानित हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय कल्याण सिंह बाबूजी की नरौरा गंगा घाट पर स्थित समाधि पर भव्य स्मृति स्मारक स्थल उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाए जाने एवं 21 अगस्त बाबूजी की पुण्यतिथि हिंदू गौरव दिवस अयोध्या में आयोजित करने के निर्णय का स्वागत एवं आभार प्रदेश सरकार में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के लखनऊ स्थित आवास पर शिष्टाचार मुलाकात करणी सेना के प्रदेश प्रवक्ता मनोज चौहान ने संदीप सिंह को पटिका फूलों का गुलदस्ता रामलला की छवि देकर उत्तर प्रदेश सरकार के निर्णय का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया बाबू जी राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा एवं मूल सैद्धांतिक राजनीतिक सर्व समाज के नेता थे बाबू जी कल्याण सिंह जिनको आज भी याद किया जाता है। लखनऊ आवास पर बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह को गुलदस्ता देकर सरकार का आभार व्यक्त करते हुए मनोज चौहान

भाजपा जिला कार्यालय पर कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में गोष्ठी का किया गया आयोजन

संवाददाता पवन कमल

बुलंदशहर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुरादाबाद से एमएल सी पूर्व सांसद सत्यपाल सैनी रहे। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विकास चौहान ने की एवं संचालन जिला उपाध्यक्ष दीपक दूल्हेरा एवं दीपक ऋषि ने संयुक्त रूप से किया। सदर विधायक प्रदीप चौधरी डिबाई विधयक सी पी सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एमएलसी सत्यपाल सैनी ने गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए बताया कारगिल की बर्फीली चोटियों पर जब दुश्मन ने नजर उठाई, तब मां भारती के वीरों ने अपने शौर्य से उन्हें मिट्टी में मिला कर विषम परिस्थितियों में भी विजय पताका लहरायी। कारगिल विजय दिवस पर उनके अदम्य साहस, अतुलित बल और शौर्य को प्रणाम। उनका सर्वोच्च बलिदान यह कृतज्ञ राष्ट्र सदैव स्मरण रखेगा। कारगिल युद्ध में विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय सैनिकों ने अतुलनीय पराक्रम का परिचय देते हुए पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ कर भगा दिया कारगिल युद्ध में हमने अपने कई वीर सैनिकों को खो दिया हम अमर शहीदों और भारतीय सेना को कोटि-कोटि नमन करते हैं। गोष्ठी में जिला महामंत्री संतोष बाल्मीकि, भवतोष गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष दीपक दुल्हेरा, कुलदीप चौधरी, ठाकुर ललित सिंह, गौरव मित्तल,अभिनव वर्मा,मृदुल शर्मा,भाजपा पदाधिकारी समेत कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झोलाछाप जच्चा बच्चा केंद्र सील

▸▸ बिना डिग्री क्लीनिक चला रही थी लेडी डाक्टर

संवाददाता पवन कमल

औरंगाबाद /बुलंदशहर । स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक झोलाछाप जच्चा बच्चा केंद्र सील किया है। यह कार्रवाई सी एम पोर्टल पर दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी के आदेश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखावटी पर तैनात डॉ तहसीन रज़ा और फार्मासिस्ट नरेंद्र रावत की टीम ने औरंगाबाद के मौहल्लापुरानी घास मंडी बी एस एन टावर के पास अवैध रूप से चल रहे एक प्रसव क्लिनिक की जांच पड़ताल की। मौके पर मौजूद डॉ नीतू मांगने पर कोई भी वैध चिकित्सा प्रमाण पत्र नहीं दिखा सकी। टीम ने अवैध रूप से चलाये जा रहे क्लिनिक पर सील लगा दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखावटी के अस्पताल अधीक्षक डॉ हरेंद्र सिंह ने बताया कि उक्त क्लिनिक की शिकायत सी एम पोर्टल पर दर्ज कराई गई थी जिसके बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी के आदेश पर सीलिंग की गई है।

कारगिल का नाम आते ही शहीद अजय सिंह को याद करता है क्षेत्र

▸▸ अजय को प्रेरणास्रोत मानकर करते हैं भर्ती की तैयारी।

▸▸ छात्र जीवन से ही भरी थी देशभक्ति भावना

संवाददाता पवन कमल

बुगरासी। कर चले हम फिदा जान ओ तन साथियो, अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो..., कहकर वतन पर जान अपनी न्यौछावर करने वाले अमर शहीद अजय सिंह उर्फ मधु को कारगिल का नाम आते ही क्षेत्रभर में याद किया जाता है। क्षेत्र के एकमात्र कारगिल शहीद अजय को प्रेरणास्रोत मानकर गांव व क्षेत्रभर के युवा न सिर्फ सेना में भर्ती हो गये बल्कि भर्ती का जज़्बा लिये तैयारी भी कर रहे हैं। बुगरासी क्षेत्र के गांव बुकलाना निवासी अजय सिंह उर्फ मधु सेना में राइफल मेन के रूप में भर्ती हुए थे। अगस्त 1998 में भर्ती होने के बाद अजय ने राजपूताना राईफल्स में एक वर्ष तक ट्रेनिंग हासिल की। 20 नवंबर 2000 को दुश्मनों से लोहा लेते हुए कश्मीर के सेक्टर हमीरपुर में सैन्य ऑपप्रेशन के दौरान 25 वर्ष की कम उम्र में अजय शहीद हो गये। शहीद अजय सिंह सिंह उर्फ मधु का जन्म अगस्त 1975 को गांव के किसान परिवार में हुआ था। पिता चंद्रपाल व माता सुरेश देवी के दो पुत्रों में बड़े अजय सिंह की प्रारम्भिक शिक्षा गांव में ही हुई थी। पढ़ाई के दौरान की स्मृतियों को याद करते हुए अजय के कॉलेज मित्र अब्दुल वाहिद बताते हैं कि स्याना डिग्री कॉलेज घनसूरपुर से स्नातक अजय प्रारम्भ से ही देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत थे और बचपन से ही सीमा पर जाकर देश की रक्षा का सपना संजोये थे। अपने सपने को पूरा करते हुए अजय ने मातृ भूमि के लिए प्राणों की आहुति दे दी। शहीद अजय के पिता चंद्रपाल सिंह कहते हैं कि करीब 20 वर्ष पूर्व शहीद हुए पुत्र की यादें आज भी ताजा हैं। उनका कहना है कि उन्होने सरकार या सेना के अधिकारियों से अपनी ओर से कभी कोई मांग नहीं की। अजय के परिवार से पूर्व में भी देश सेवा के लिये कई सदस्य जा चुके हैं। फ़िलहाल परिवार का कोई सदस्य सेना में नहीं है। विश्वपटल पर देश के गौरव और सम्मान को कायम रखने के लिये शहीद के पिता को वर्तमान सरकार से बहुत उम्मीदें हैं। शहीद की याद में गांव में बने मधु पार्क पर समय-समय पर शहीद अजय सिंह को लोग श्रद्धांजलि देते हैं।

भारतीय पूर्व सैनिक संघ ने मनाया विजय दिवस : कप्तान बदन सिंह राठी

संवाददाता पवन कमल

बुलंदशहर । रसूलपुर स्थित फौजी हाउस पर कर्नल जे.पी. सिंह के नेतृत्व में भारतीय पूर्व सैनिक संघ ने 26वा कारगिल विजय दिवस मनाया गया, जिसमें कार्यक्रमातिथि कर्नल शशि (92ब्रा,श्रीनगर) ने देश के वीर सैनिकों को नमन करते हुए कहा की हम उनकी वीरता और बलिदानियों को कभी भुलाया नहीं जा सकता, हम उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते है और उनके बलिदान को सम्मान देते है। कमांडर वी. के. शर्मा जी ने भी कारगिल में शहीद वीर जवानों को नमन करते हुए बताया है कि आज, 26 जुलाई को हम 26वा कारगिल विजय दिवस के रूप में मना रहे हैं, जो कारगिल युद्ध में भारतीय सेना की जीत का प्रतीक है। इस दिन, हम उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। सैनिक की कोई जाती, धर्म नहीं होता, सैनिक, सैनिक होता है। सूबेदार निरंजन सिंह ने कारगिल दिवस का महत्व बताते हुए कहा की कारगिल विजय दिवस हमें भारतीय सेना की वीरता और बलिदानियों की याद दिलाता है, यह दिन हमें राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का सन्देश देता है। बुलंदशहर के रैना गाँव निवासी रिटायर्ड कप्तान बदन सिंह राठी ने शहीदों को पुष्पर्पित किया साथ ही बताया की कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है, जो 1999 के कारगिल युद्ध में भारत की जीत का प्रतीक है। इस युद्ध में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़कर कारगिल की पहाड़ियों को वापस पाया था। साथ ही बताया की इस दिन को मनाने का उद्देश्य भारतीय सेना की वीरता और बलिदान को सम्मान देना है। देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी जाती है। इसी कड़ी मे रसूलपुर स्थित फौजी हाउस पर संगठन के पूर्व अध्यक्ष सरदार सिंह, जितेंद्र सिंह, अध्यक्ष आनंद तेवतिया, रोहताश सिंह एवं पूर्व फौजियों की विधवाओं समेत सैकड़ों फौजी उपस्थित रहे।

अमर शहीद अमित सिंह की समाधि पर पहुंचकर मनाया कारगिल विजय दिवस

सपना वर्मा ब्यूरो चीफ

नजीबाबाद। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व सैनिकों के साथ अमर शहीद अमित सिंह की समाधि पर पहुंचकर मनाया कारगिल विजय दिवस आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भागूवाला मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने नजीबाबाद विधानसभा के ग्राम अमानुल्लापुर उर्फ गढ़वाला निवासी अमर शहीद स्वर्गीय अमित कुमार की समाधि पर पहुंच कर अमर शहीद को पुष्पांजलि अर्पित की इस अवसर पर पूर्व सैनिक मनोज कुमार ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश को विश्व की सबसे शक्तिशाली सेवा का गौरव प्राप्त है हमारी सेना के जवानों में देश भक्ति की भावना कूट-कूट भारी होती है हमारे सैनिक देश की रक्षा सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने से कभी पीछे नहीं हटते हैं हमें सदैव

देश की सेवा के साथ खड़े होना चाहिए उनका वह उनके परिजनों का सम्मान करना चाहिए नरेंद्र मोदी जी की सरकार में सैनिकों के हाथ बहुत अधिक मजबूत हुए हैं सैनिकों का मनोबल बढ़ा है इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल एवं जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा सुधीर भुईयार ने कहा कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व के आदेश अनुसार आज भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में अमर शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि देकर परिजनों को सम्मानित करने का कार्य कर रहे हैं उन्होंने कहा कि हमें दैनिक जीवन में भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हम जो भी सहयोग सम्मान सैनिक के परिवारों का कर सकते हो वह करना चाहिए हम सब सैनिकों के शौर्य शक्ति पराक्रम अदम्य साहस के कारण की सुरक्षित है आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर अमर शहीद अमित कुमार की पूज्य माताजी श्रीमती शशि देवी, भाई सुमित कुमार,भाभी मीनाक्षी देवी, ताऊ जी श्री ओमप्रकाश सिंह एवं कारगिल युद्ध में प्रतिभा करने वाले सेवानिवृत्ति वायु सैनिक श्री मनोज कुमार को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया ।

सरकारी जमीन पर हो था मछली पालन व करकट का निर्माण

जलालपुर, अम्बेडकरनगर। जमीन कब्जा करने का मामला आए दिन सामने आता रहता है, फिर चाहे वह जमीन सरकारी ही क्यों न हो। हालांकि कार्रवाई के लिए लकीर भी पीटी जाती है लेकिन नतीजा क्या निकलता है... यह किसी से छिपा नहीं है। हालांकि यदि उचित कार्रवाई की जाए तो राजस्व से जुड़ा विवाद कभी पनपेगा ही नहीं। कुछ ऐसा ही मामला जलालपुर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत बरौनी में सामने आया है, इसका खुलासा लेखपाल ओमकार की ओर से कई गई स्थलीय जांच में हुआ है। बता दें कि यह जांच स्थानीय लोगों की ओर।से की गई शिकायत के बाद हुई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार गाटा संख्या 476/0.9/2 हे0 भूमि राजस्व अभिलेख में तालाब के रूप में दर्ज है, जिस पर बिना किसी वैध आवंटन के निक्कू वर्मा व अजय वर्मा की ओर से अवैध रूप से मत्स्य पालन किया जा रहा था।

आज नरौरा पब्लिक स्कूल में NDRF (नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स) द्वारा एक सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता शफीकुर्रहमान

बुलंदशहर। आज नरोरा पब्लिक स्कूल में नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स द्वारा एक सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल की चेयरपर्सन श्रीमती पूनम पराशर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में [illegible] टीम द्वारा बच्चों को आपदा के समय अपनाई जाने वाली सावधानियों एवं सुरक्षा उपायों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य ओ.पी. वर्मा, उप-प्राचार्य गौरव गोयल तथा संपूर्ण शिक्षक-स्टाफ उपस्थित रहा। यह कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं जागरूकता बढ़ाने वाला रहा।

संजना ने बाजी मारी मेंहदी प्रतियोगिता में आदर्श शिक्षा सदन में हुआ आयोजन

संवाददाता पवन कमल

औरंगाबाद/ बुलंदशहर । आदर्श शिक्षा सदन शिवाली में आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता में संजना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिव्यांशी एवं रितिका क्रमश दूसरे और तीसरे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रबंधक डा मोहित कपासिया ने दीप प्रज्वलित कर पुष्पार्चन करके किया। उन्होने कहा कि तीज़ पर्व खुशी और उल्लास का पर्व है। श्रेष्ठ संस्कार से ही जीवन सुखमय बनाया जा सकता है। प्रतियोगिता में सभी बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। निर्णायक मंडल ने संजना को प्रथम दिव्यांशी को द्वितीय तथा रितिका को तृतीय पुरस्कार विजेता घोषित किया। दूसरी ओर डायमंड पब्लिक स्कूल जटवाई में आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में कु खुशी प्रथम स्थान पर रही।निधि और शगुन ने क्रमश द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य सूरजभान आर्य ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। राहुल आचार्य शिवम् गोयल आदि निर्णायक मंडल में शामिल रहे। जयवीर अनिल निर्भय सोनू तरूण कृष्ण पाल अश्विनी तान्या श्रृद्धा सिंह भावना शालू दीपांशी काजल ललिता प्रियंका कोमल आदि ने सहयोग किया।

गोरई थाना सभागार में आयोजित हुआ थाना दिवस

संवाददाता अंकित चौधरी

गोरई । थाना सभागार में आयोजित थाना दिवस में आई तीन शिकायतों में से एक का मौके पर ही निस्तारण मौके पर करा दिया गया। गोरई में थाना दिवस का नेतृत्व पुलिस थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार व राजेंद्र प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। बतादें गोरई थाना में आयोजित थाना दिवस में तीन शिकायतें आई जिसमें से एक का निस्तारण मौके पर ही करा दिया गया और दूसरी शिकायत के निस्तारण हेतु पुलिस मौके पर टीम भेजी है। इस मौके पर गोरई थाना सभागार में आयोजित थाना दिवस में एसआई लाल सिंह , एसआई दिनेश कुमार, राजस्व निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद, के अलावा लेखपाल नीतेंद्र सिंह, गोरई लेखपाल गुरुमेश यादव, लेखपाल बेसवा शिशपाल शर्मा लेखपाल राजकुमार चौधरी, नितेंद्र सिंह, नरेंद्र कुमार मित्तल आदि थे।

जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन

संवाददाता पवन कमल

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी अर्पित विजयवर्गीय द्वारा दिनांक 26 जुलाई को थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना मो0 पुर खाला में जनता की समस्याएं सुनी गई व उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। थाना मो0 पुर खाला में जनसुनवाई के दौरान 02 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कराया गया। शेष प्रकरणों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मामले के निस्तारण हेतु मौके पर रवाना किया गया। इसी प्रकार समस्त क्षेत्राधिकारी व प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष द्वारा थाना समाधान दिवस पर आने वाले फरियादियों की शिकायतों को सुनकर उनके गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण कराया गया।समस्त थानों में कुल 55 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कराया गया।

संविधान बचाने के लिए जनता के बीच जाएंगे, 2027 की तैयारी तेज

संवाददाता पवन कमल

अलीगढ़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि अब पार्टी का मुख्य उद्देश्य हिंदुस्तान के संविधान को बचाना है। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व में हम हर जिले में जाएंगे और लोगों को जागरूक करेंगे कि संविधान पर किस प्रकार से खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां जनता के अधिकार छीने जा रहे हैं और ऐसी स्थिति पूरे देश में न फैले, इसके लिए हमें अभी से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी पूरी तरह गंभीर है और पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर आम जनता को जोड़ने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जिस तरह सफलता मिली, उसे बरकरार रखते हुए अब हमें आगे बढ़ना है। सलीम इकबाल शेरवानी ने कहा कि अखिलेश यादव हमेशा से मेधावी छात्रों को सम्मानित करते आए हैं। छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ाने के लिए साइकिल जैसे उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया है। खास तौर पर लड़कियों को सशक्त करने पर पार्टी विशेष ध्यान देती है, क्योंकि जब बेटियां आगे बढ़ती हैं तो पूरा परिवार प्रगति करता है। हाल ही में अखिलेश यादव के मस्जिद जाने पर राजनीतिक बयानबाजी को लेकर उन्होंने साफ कहा कि ÷मुझे नहीं पता वे किसलिए मस्जिद गए, लेकिन मस्जिद हो या मंदिर, धार्मिक स्थलों को राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए। मोदी जी भी मस्जिद गए थे, योगी जी भी गए थे - यह किसी से मिलने का निजी कारण हो सकता है। धर्म की राजनीति पर उन्होंने दो टूक कहा कि ÷मैं हमेशा से धर्म के नाम पर राजनीति का विरोधी रहा हूं। धर्म और राजनीति दोनों अलग-अलग हैं और इन्हें एक-दूसरे से नहीं मिलाना चाहिए। अंत में उन्होंने भरोसे के साथ कहा कि 2027 में सपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं में अभी से जोश है और समाजवादी पार्टी एकजुट होकर सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। परिवार और पार्टी में जो भी आपसी गलतफहमियां हैं, उन्हें नजरअंदाज कर एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरना होगा।

हरियाली तीज के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

संवाददाता पवन कमल

डिबाई। शनिवार को ओलंपियन पब्लिक स्कूल, मुंमरेजपुर ,डिबाई में हरियाली तीज के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदन क्रमशः भगत सदन, गाँधी सदन, आर्यभट्ट सदन, विवेकानंद सदन, की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल द्वारा आर्यभट्ट सदन को प्रथम, भगत सदन को द्वितीय तथा गाँधी सदन को तृतीय स्थान घोषित किया गया। इस अवसर पर व्यवस्थापक एस. के. शर्मा व प्रधानाचार्य ने सभी को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के बारे में बताते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

कारगिल विजय दिवस पर शहीद प्रवीण कुमार एवं शहीद राजवीर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

▸ शहीदों की कुर्बानी हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेगी : खजान शर्मा

संवाददाता पवन कमल

अलीगढ़। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, हरिगढ़ ने कारगिल विजय दिवस समारोह छर्रा विधानसभा के गांव पुरैनी एवं राजगांव में क्रमशः बलिदानी प्रवीन कुमार एवं बलिदानी सूबेदार राजवीर सिंह के शहीद स्मारक पर फूल मालाएं पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी और दोनों शहीद स्मारकों पर राष्ट्र ध्वज फहराया गया। शहीद प्रवीण कुमार की माताजी श्रीमती विरमा देवी जी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। ठीक इसी प्रकार शहीद राजवीर सिंह की पत्नी श्रीमती रामवती देवी को भी शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया और शहीद के बड़े भाई श्री डिप्टी सिंह जी को भी शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। शहीदों के सम्मान में भारत माता के जयकारे एवं शहीद अमर रहे के नारे लगाए गए। इस समारोह में संगठन के जिला अध्यक्ष सूबेदार मेजर खजान शर्मा, दफेदार रामकुमार तिवारी, महासचिव, परिषद के संरक्षक एवं एवं समाज कल्याण सेवा संस्थान के अध्यक्ष राजेश गौड़, श्री रमाशंकर शर्मा, सूबेदार मेजर राजेन्द्र सिंह साहब, सार्जेंट मदन सिंह, उपाध्यक्ष ब्रज प्रांत, हवलदार शेखर उपाध्याय, उपाध्यक्ष, सूबेदार लोकमन शर्मा, उपाध्याय, सूबेदार बालू राम, कोषाध्यक्ष, सूबेदार मेजर जोगेंद्र सिंह चौहान, उपाध्यक्ष, कैप्टन एमपी शर्मा, नायक राजकुमार सिंह, हवलदार गिरीश बाबू एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। पुरैनी गांव के शहीद प्रवीण कुमार एवं राजगांव के शहीद सूबेदार राजवीर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित कर और उनके परिवारों को सम्मानित करके अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, हरिगढ़ के पूर्व सैनिकों ने अपने को बहुत ही गौरवान्वित महसूस किया। जय हिन्द जय भारत।

थाना मसौली पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त कार्यवाही

बाराबंकी। माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक बाराबंकी अर्पित विजयवर्गीय द्वारा माल निस्तारण हेतु चलाये गये अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी विकास चंद्र त्रिपाठी के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर गारिमा पन्त के पर्यवेक्षण मे दिनांक 26 जुलाई 2025 को थाना मसौली पर पंजीकृत आबकारी अधिनियम के विभिन्न अभियोगों में बरामदशुदा 700 लीटर कच्ची शराब के विनिष्टीकरण की कार्यवाही नियमानुसार की गयी। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक मसौली सुधीर कुमार सिंह,व इंगिता पाण्डेय प्रभारी आबकारी निरीक्षक नवाबगंज क्षेत्र-1 मय टीम की उपस्थित रही।

उत्तर प्रदेश फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रियल सर्विस एसोसिएशन द्वारा विधिक परामर्श हेतु अधिवक्ता पैनल का गठन

संवाददाता पवन कमल

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रियल सर्विस एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं जिला अध्यक्ष, अलीगढ़ श्री प्रदीप चौहान द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए संगठन के विधिक परामर्श हेतु ÷अधिवक्ता पैनल÷ का गठन किया गया है। इस पैनल का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्यरत मिनिस्ट्रियल स्टाफ को उनके विभागीय एवं सेवा संबंधी मामलों में न्यायिक सहायता एवं विधिक परामर्श उपलब्ध कराना है। राज्य के विभिन्न विभागों में कर्मचारियों को भिन्न-भिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन्हीं समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु यह अधिवक्ता पैनल गठित किया गया है, जो सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court), उच्च न्यायालय (High Court) तथा जिला न्यायालय (District Court) स्तर पर विधिक परामर्श प्रदान करेगा।

अधिवक्ता पैनल में नियुक्त अधिवक्ता 7 Appointed Advocates in the Panel: श्री तपेश राघव - अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय | Advocate, Supreme Court

संपर्क÷ 99314 84438

श्री आर. बी. सिंह परमार - अधिवक्ता, उच्च न्यायालय | Advocate, High Court

संपर्क÷ 9415365720

श्री राम प्रताप सिंह चौहान - अधिवक्ता, जिला न्यायालय | Advocate, District Court

संपर्क÷ 094121 75071

श्री लवेंद्र शर्मा - अधिवक्ता, जिला न्यायालय | Advocate, District Court

संपर्क: 094112 11100

श्री गगन चौधरी - अधिवक्ता, जिला न्यायालय | Advocate, District Court

संपर्क÷ 70602 51323

यह पैनल प्रदेश के किसी भी जिले में कार्यरत मिनिस्ट्रियल स्टाफ की विधिक समस्याओं के समाधान हेतु प्रत्यक्ष संपर्क, परामर्श व न्यायिक सहयोग उपलब्ध कराएगा। यह एक सराहनीय एवं दूरदर्शी पहल है, जिससे कर्मचारियों को बिना किसी भटकाव के समय पर विधिक सहायता मिल सकेगी।

संगठनात्मक विस्तार: संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए, श्रीमती रीतू रानी, वरिष्ठ सहायक, राजकीय इंटर कॉलेज, सहनौल, अलीगढ़ को जिला संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की सहमति से की गई है। रीतू रानी जी के अनुभव, कार्यकुशलता और संगठनात्मक प्रतिबद्धता से संगठन को जिला स्तर पर नई ऊर्जा और मजबूती प्राप्त होगी।

मैक्स अस्पताल, शालीमार बाग में बिना चीरे के हुई दिल की सर्जरी, 2 साल के बच्चे को मिली नई ज़िंदगी

संवाददाता पवन कमल

अलीगढ। मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, शालीमार बाग के डॉक्टरों ने एक 2 वर्षीय बच्चे की दुर्लभ मिनिमली इनवेसिव हृदय सर्जरी सफलतापूर्वक की है। यह बच्चा एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट (ꢂꢃ) नामक जन्मजात हार्ट कंडीशन के साथ जन्मा था, जिसमें हृदय के ऊपरी दो कक्षों के बीच की दीवार (सेप्टम) में छेद होता है। यह बच्चा मात्र 10 किलो वज़नी था और जन्म से ही वजन न बढ़ने तथा सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याओं से जूझ रहा था, जिससे चिंतित होकर माता-पिता उसे उन्नत इलाज के लिए मैक्स अस्पताल, शालीमार बाग लेकर आए। विस्तृत जांच के बाद डॉक्टरों ने एएसडी की पुष्टि की। यदि समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो यह स्थिति एरिथमिया, पल्मोनरी हाइपरटेंशन (फेफड़ों में उच्च रक्तचाप) और हार्ट फेलियर जैसी जटिलताओं का कारण बन सकती थी। बच्चे की नाजुक उम्र और बेहद कम वजन को ध्यान में रखते हुए यह सर्जरी अत्यधिक प्रिसिशन और ऐक्सपर्टीस की मांग कर रही थी। ऐसे में पारंपरिक तरीके से सीने के बीच चीरा लगाने के बजाय डॉक्टरों ने एक एडवांस्ड तकनीक – राइट एक्सिलरी अप्रोच (बगल के नीचे से सर्जरी) – को अपनाने का निर्णय लिया, जो कम दर्द, तेज़ रिकवरी और बेहतर कॉस्मेटिक परिणाम सुनिश्चित करता है। इस जटिल केस का नेतृत्व मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, शालीमार बाग के कार्डिएक सर्जरी (CTVS) विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. दिनेश चंद्रा ने अपनी मल्टीडिसिप्लिनरी टीम के साथ किया। इस अनूठी तकनीक ने न केवल एएसडी को सफलतापूर्वक बंद किया, बल्कि छाती के बीच में पारंपरिक चीरे से भी बचाया - जो कम उम्र के मरीजों के लिए सौंदर्य और मानसिक दृष्टि से बेहद अहम होता है। डॉ. दिनेश चंद्रा ने बताया, ÷बच्चे की उम्र और कम वजन के कारण यह सर्जरी कई चुनौतियों से भरी थी। इतने छोटे और नाजुक दिल के हिस्सों पर ऑपरेशन करना अत्यधिक कुशलता और सावधानी की मांग करता है। यह सर्जरी अत्याधुनिक तकनीकों की मदद से बेहद सावधानीपूर्वक की गई। इस उम्र के बच्चों में मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करना बहुत ही दुर्लभ है। तकनीकी दृष्टि से कठिन होने के बावजूद राइट एक्सिलरी अप्रोच से हम पूर्ण सुधार करने में सफल रहे और बच्चे के शरीर की बनावट भी सुरक्षित रही जिससे वह तेज़ी से स्वस्थ हो सका। उन्होंने आगे बताया, हमने बच्चे के हाथ के नीचे एक छोटा चीरा लगाया और लाइव इमेजिंग के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि छेद पूरी तरह बंद हो गया है। सर्जरी एक घंटे से अधिक चली और पूरी प्रक्रिया के दौरान बच्चे की स्थिति स्थिर रही। ऑपरेशन के कुछ घंटों के भीतर उसे वेंटिलेटर से हटा दिया गया और वह तेजी से स्वस्थ होने लगा। एक सप्ताह के भीतर उसे घर भेज दिया गया। फिलहाल बच्चा बिल्कुल ठीक है और नियमित जांच के लिए फॉलो-अप जारी रहेगा। इस सफल सर्जरी ने भारत में बच्चों की हृदय देखभाल के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल की है। यह मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, शालीमार बाग की अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाकर बेहतर क्लिनिकल परिणाम और बच्चों की जीवन गुणवत्ता को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बच्चे और उसके परिवार के लिए यह सर्जरी एक नई ज़िंदगी की शुरुआत है।

आरओ-एआरओ परीक्षा को लेकर प्रशासन सख्त

▸ जिले के 43 परीक्षा केंद्रों पर 20640 अभ्यर्थी पंजीकृत

▸ परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं

संवाददाता पवन कमल

अलीगढ़।(सू0वि0)÷ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी, प्रारंभिक परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष आयोजन के लिए जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन ने सख्त चेतावनी के साथ दिशा-निर्देश दिए हैं। डीएम ने सभी सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट्स, केंद्र व्यवस्थापकों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा की पवित्रता एवं गोपनीयता से कोई भी खिलवाड़ क्षम्य नहीं होगा। उन्होंने मजिस्ट्रेट्स को परीक्षा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रविवार को 43 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होने वाली आरओ-एआरओ की परीक्षा में 20640 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा प्रातः 09:30 से 12:30 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा में नकलविहीनता, अनुशासन और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। किसी भी स्तर पर शिथिलता, उदासीनता अथवा अनुचित लाभ की स्थिति में दोषी के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इन संस्थानों में आयोजित होगी परीक्षा: बाबूलाल जैन इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, डीएस डिग्री कॉलेज (ब्लॉक-ए व बी), रतन प्रेम डीएवी बालिका इंटर कॉलेज, टीकाराम कन्या डिग्री कॉलेज, नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज, वार्ष्णेय डिग्री कॉलेज (ब्लॉक-ए व बी), चिरंजीलाल बालिका इंटर कॉलेज, हीरालाल बारहसैनी इंटर कॉलेज, श्री माहेश्वर गर्ल्स/बॉयज इंटर कॉलेज, गोपीराम पालीवाल इंटर कॉलेज, एसएमबी इंटर कॉलेज, उदय सिंह जैन गर्ल्स इंटर कॉलेज, महर्षि विद्या मंदिर, ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल, डीएस इंटर कॉलेज, विश्व भारती पब्लिक स्कूल, शांति निकेतन वर्ल्ड स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, थ्री डॉट्स पब्लिक स्कूल, नीहार मीरा स्कूल, सीबी गुप्ता सरस्वती विद्यापीठ सिंघारपुर, जनता इंटर कॉलेज छेरत, रघुवीर बाल मंदिर, रेडिएंट स्टार इंग्लिश स्कूल, अग्रसेन इंटर कॉलेज हरदुआगंज, खैर इंटर कॉलेज, शिवदान सिंह इंटर कॉलेज इगलास, लगसमा इंटर कॉलेज गोंडा, के एंड एसआरएमवी इंटर कॉलेज अतरौली, स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज जलाली, श्री लक्ष्मीराज इंटर कॉलेज गभाना, आयशा तरीन मॉर्डन पब्लिक स्कूल, हैरीटेज इंटरनेशनल स्कूल तालानगरी, गगन पब्लिक स्कूल में परीक्षा आयोजित की जाएगी।

डॉ० बी०आर० अम्बेडकर समाज सुधार समिति के सदस्यों की सदस्यता समाप्त

संवाददाता पवन कमल

अलीगढ़। डॉ० बी० आर० अम्बेडकर समाज सुधार समिति रामनगर (मंजूरगढ़ी) ए डी एफ , तह०/पर० कोल जिला अलीगढ़ के अध्यक्ष रनवीर सिंह ने बताया है कि समिति के कुछ सदस्यगण गांव के पूर्वजों द्वारा एक एक कर जो रुपया इकट्ठा किया था उसे खुर्द बुर्द करना चाहते हैं।

कुछ सदस्य शराब पीकर समाज को दलदल में धकेल रहे हैं, कुछ सदस्य गुटबाजी कर संस्था की गरिमा को भंग कर रहे हैं ,तथा संस्था के एजेंडे के विरुद्ध एक नया एजेंडा चला रहे हैं जो की संस्था के नियमों के विरुद्ध है। गुटबाजी कर संस्था के एजेंडा रजिस्टर पर भी सदस्यों द्वारा हस्ताक्षर नहीं किया जाते और न बुलाई हुई बैठकों में उपस्थित होते हैं। संस्था के नियमानुसार क्रमशः कुमर पाल सिंह ,अनिल प्रताप सिंह, राहुल प्रताप सिंह , प्रवीण कुमार, राजेश कुमार, अशोक कुमार, पन्नालाल की सदस्यता समाप्त हो गई है। उपरोक्त सभी सदस्यों को संस्था के किसी कार्य में हस्तक्षेप करने का कोई भी नैतिक अधिकार नहीं है। यदि उपरोक्त कोई भी सदस्य किसी प्रकार की अशोभनीय हरकत करता है। जिससे शांति भंग हो सकती है या शांति भंग होने की संभावना होती है तो उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्यवाही भी अमल में लाई जा सकती है।

गोण्डा व्यापार मंडल का हुआ पुनः गठन 52 सदस्यीय कार्यकारिणी की हुई घोषणा

संवाददाता प्रमोद कुमार

अलीगढ़ । आज गोंडा व्यापार मंडल का गठन किया गया है पंकज सॉई राम वने अलीगढ़ मंडल के उपाध्यक्ष रजत उपाध्याय को गोण्डा व्यापार मंडल अध्यक्ष बनाया गया है व्यापारी सम्मान की रक्षा के लिए हों एकजुट- प्रदीप गंगा गोंण्डा कस्बा महादेवी विजय वाटिका में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल पंजीकृत अलीगढ़ के द्वारा गोण्डा व्यापार मंडल इकाई का पुनः गठन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदीप गंगा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष/जिला अध्यक्ष, एवं अतिथि हरिकिशन अग्रवाल प्रदेश संगठन मंत्री, संगीता वार्ष्णेय प्रदेश महिला उपाध्यक्ष, अरुण गोयल प्रदेश मंत्री, यश कुमार बाबा अलीगढ़ मंडल महामंत्री मौजूद रहे वही गोंण्डा व्यापारियों के द्वारा सभी अतिथियों का फूल माला अंग वस्त्र पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सभी अतिथियों का स्वागत किया गया सर्वप्रथम सरस्वती मां की चित्र पर फूल माला अर्पित कर दीप प्रज्जन किया कार्यक्रम की अध्यक्षता मुकेश चंद वार्ष्णेय, संचालन हिरदेश चौधरी ने किया । मुख्य अतिथि प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष/जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा ने कहा गोण्डा के व्यापारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि व्यापारी का सम्मान व सुरक्षा केवल हमारी एकजुटता से ही कायम रह सकती है अगर हम एकजुट रहे तो किसी भी अधिकारी की हिम्मत नहीं है जो आपका उत्पीड़न कर सकें जिस उर्जा के साथ आज आप सभी की मोजुदगी प्रदर्शित हुई है वह सराहनीय है इस उर्जा को वनाए रखते हुए एकजुट रहकर व्यापारी सम्मान की रक्षा का संकल्प लें। प्रदीप गंगा ने सर्वसम्मति से 52सदस्यीय गोण्डा व्यापार मंडल इकाई का गठन किया जिसमें अध्यक्ष रजत उपाध्याय, महामंत्री रविंद्र कुमार उर्फ कोको, कोषाध्यक्ष भूपेंद्र वार्ष्णेय उर्फ भोलू भैया, सह कोषाध्यक्ष राजा वार्ष्णेय,यश वार्ष्णेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष लव कुश वार्ष्णेय, पंकज कुमार वार्ष्णेय, सुरेश चंद खाद वाले, रामेश्वर गौतम, उपाध्यक्ष विकास वार्ष्णेय जे बी जी,गजेंद्र सोनी, मनोज चौधरी, धर्मेंद्र लाल,राजू उपाध्याय, हरिओम बजरंगी, मंत्री महादेव वार्ष्णेय, भगवती मामा ,बंटी साइ राम वावूलाल गुप्ता जिला उपाध्यक्ष , हरि ओम अग्रवाल ,कपिल वार्ष्णेय,मदन मोहन सारस्वत ,लखन वार्ष्णेय संरक्षक हिरदेश चौधरी, गौरवेंद चौधरी मीडिया प्रभारी प्रमोद चौधरी, मुकेश कुमार सूचना मंत्री गोपाल आजाद,टिंकल उपाध्याय,सोनू माही वहीं गोंडा व्यापार मंडल की महिला अध्यक्ष निर्मल गुप्ता को बनाया गया। प्रदीप गंगा वरिष्ठ उपाध्यक्ष जिला अध्यक्ष के द्वारा पंकज वार्ष्णेय साईं राम को अलीगढ़ मंडल का उपाध्यक्ष मनोनीत किया तथा उनका माला डालकर स्वागत किया वहीं पंकज सॉई राम ने गोंडा उद्योग व्यापार मंडल गोंडा इकाई को प्रत्येक वर्ष 51 हजार रुपए सहयोग देने का वादा किया इस मौके पर सैकड़ों की तादाद में व्यापारी मौजूद रहे।

डीएम व एसएसपी की अध्यक्षता में थाना खुर्जा नगर में थाना दिवस का आयोजन किया गया

संवाददाता पवन कमल

बुलन्दशहर। जिलाधिकारी श्रुति एवं एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने थाना खुर्जा नगर में आयोजित थाना दिवस में प्रतिभाग करते हुए फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित को दिए। इस अवसर पर एसपी देहात डॉ तेजवीर सिंह, उप जिलाधिकारी खुर्जा प्रतीक्षा पांडेय, ट्रेनी सीओ, थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

बदलती दुनिया

आज संपूर्ण विश्व एक प्रकार के युद्धकाल से गुजर रहा है। यह स्थिति किसी भी दृष्टि से द्वितीय विश्वयुद्ध से कम नहीं है। यूक्रेन, रूस,फिलिस्तीन, सूडान, ईरान,इजराइल, पाकिस्तान,अफगानिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, इथियोपिया, नाइजीरिया, बुर्किना फासो, माली, यमन, कांगो, भारत, हैती, कैमरून, नाइजर, कोरिया, कोलंबिया, इराक, गाजा, मोजाम्बिक, चाड, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चीन, अमेरिका, लीबिया आदि दुनिया के लगभग हर कोने में या तो प्रत्यक्ष युद्ध छिड़ा हुआ है या सीमित संघर्ष। हर जगह आतंकवाद या गृहयुद्ध की स्थिति है। पिछले वर्ष ही यूक्रेन में 50,000, फिलिस्तीन में 23,000, म्यांमार में 13,000, सूडान में 9,000, इथियोपिया में 8,000 से अधिक लोगों की मौतें हुई। ये आंकड़े इस साल के बाद और भी भयावह हो चुके हैं। इन संघर्षों में सबसे अधिक मौतें आम नागरिकों की हो रही हैं। यूक्रेन की सेना के 6,000 से अधिक जवानों के शव महीनों से रूस के पास पड़े हैं- ये सब किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को भीतर तक झकझोर देने वाली सच्चाई है। यह दृश्य केवल वीभत्स और अमानवीय ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के पतन का संकेत है। हिंसा में पागल हो चुके राष्ट्र प्रमुखों ने न केवल अपने देश को, बल्कि पूरे विश्व को तबाही की ओर धकेल दिया है। अपने ही देश में लोग शरणार्थी बन गए हैं और लाखों लोग देश छोड़कर भागने को विवश हैं, किन्तु अब यह भी स्पष्ट होता जा रहा है कि कोई देश सुरक्षित नहीं बचा है-कहीं भी शांति नहीं है। समूचा विश्व ही शरणार्थी बन गया है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यह पहली बार है कि इतने अधिक देश युद्ध में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं। वैश्विक नेतृत्व पूरी तरह से विफल हो चुका है। अब ऐसा कोई राष्ट्र नहीं बचा जिसकी बात सुनी जाए, जिसकी नैतिक नेतृत्व क्षमता पर भरोसा किया जा सके। कोई व्यापारिक हितों के कारण मौन है, कोई गुप्त रूप से समर्थन दे रहा है, तो कोई राष्ट्रवाद की झूठी भावना जनता में जागृत कर चुनाव जीतने या सत्ता बनाए रखने की चिंता में युद्ध कर रहा है। राजनैतिक महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए युद्ध का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। इस युद्धोन्माद की महामारी ने पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण, सभी दिशाओं को ग्रसित कर लिया है। कोई भी राष्ट्राध्यक्ष, कोई भी सत्ता, इस अंधकार से बाहर निकलने का मार्ग नहीं सुझा पा रही है-न कोई नैतिक साहस दिखा रहा है, न कोई दिशा। अधिकतर आक्रमण रात को हो रहे हैं। महाभारत के युद्ध में 14वें दिन नियमों का उल्लंघन हुआ और जयद्रथ के वध से क्रोधित कौरवों ने युद्ध के नियम और नैतिकता के विरुद्ध रात को हमला कर दिया। कृष्ण ने युद्ध में घटोत्कच का आह्वान किया, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि रात को आसुरी ताकत बढ़ जाती है। आज सभी देश रात को ही आक्रमण करते हैं, ताकि विध्वंस अधिक हो। यह प्रवृत्ति राक्षसी है। यह नरसंहार और युद्ध देखकर शायद राक्षस भी शरमा जाएं। यह केवल सीमा पर बंदूक और टैंक की लड़ाई नहीं है, बल्कि धरती, आकाश, समुद्र और अंतरिक्ष - हर क्षेत्र में छिड़ी एक जटिल और भयानक जंग है। इन युद्धों में अब ड्रोन, हाइपरसोनिक मिसाइलें, स्मार्ट बम, साइबर अटैक, स्पेस वैपन जैसे हथियारों का प्रयोग हो रहा है। इजरायल का आयरन डोम हो या अमेरिका का फाइटर जेट, दुनिया अब मशीनों से लड़ा जाने वाला युद्ध देख रही है, जहां इंसानी जान की कीमत सॉफ्टवेयर से तय होती है। दुनिया के कुछ देश अपनी जीडीपी का 30 प्रतिशत हथियारों पर खर्च कर रहे हैं। अमेरिका, रूस, चीन, इजराइल जैसे देश नए हथियार बना रहे हैं, जबकि श्संयुक्त राष्ट्र संघ और मानवाधिकार संस्थाएं कुछ नहीं कर पा रही हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि परमाणु हथियार, जिन पर रोक होनी चाहिए, उन्हें कुछ देशों के लिए सुरक्षा मान लिया गया है और दूसरों के लिए खतरा। यह दोहरी नीति दुनिया को अंधे युद्ध की ओर धकेल रही है। अमेरिका अपने वाणिज्यिक हितों के लिए दुनिया के कोने-कोने में युद्ध कर रहा है। अपने फायदे के अनुसार वह दुनिया भर के कुछ राष्ट्राध्यक्षों को चुनकर उन्हें अपना मित्र या भोंपू बना चुका है। विश्व मंच पर चीन और रूस जैसे सभी परमाणु शक्तिसंपन्न देश युद्ध के लिए सदैव आतुर दिखाई देते हैं। यही कारण है कि आज के समय में निःशस्त्रीकरण पूरी दुनिया के लिए अनिवार्य हो गया है। भारत, जिसकी एक स्वतंत्र और संतुलित पहचान विश्व राजनीति में रही है, उसकी आवाज आज कमजोर या लगभग अदृश्य हो गई है। यह हर भारतीय के लिए निराशाजनक है। भारत का मौन विश्व शांति की पहल को भी दुर्बल कर रहा है। एक त्रासदी यह भी है कि इन युद्धों के दृश्य अब मीडिया और सोशल मीडिया पर रील बनाकर परोसे जा रहे हैं। लोग युद्ध की वीभत्सता को वीरता समझकर उसका आनंद ले रहे हैं। हिंसा को चेतना में स्थापित करने की यह प्रवृत्ति इस ओर संकेत करती है कि युद्ध अब सामान्य मानवीय व्यवहार बनता जा रहा है।

प्रकृति का त्योहार है तीज

"श्रावण में चारों ओर हरियाली की चादर बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महीना अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्योहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है।"

रमेश सर्राफ धमोरा

तीज श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाई जाती है। इसलिए यह श्रावणी तीज के नाम से भी जानी जाती है। सौंदर्य, प्रेम के उत्सव और आस्था के इस व्रत का महिलाओं के लिए बड़ा महत्व है, विशेष रूप से नव विवाहिताओं के लिए। यह त्योहार मुख्य रूप से उत्तर भारत (राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर पदेश, बिहार और झारखंड) में धूमधाम से मनाया जाता है। परंपरा के अनुसार नवविवाहिताएं पहला व्रत मायके में रखती हैं और इसके लिए झूले सजाए जाते हैं, लोक गीत गाए जाते हैं। देश के कई हिस्सों में मेले लगते हैं और माता पार्वती की सवारी निकाली जाती है।श्रावण का आगमन इस त्योहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं।वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है।

श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्योहार है। तीज को मुख्यतः

महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्योहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह त्योहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

श्रावण में चारों ओर हरियाली की चादर बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महीना अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्योहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है।धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। हाथों में रची मेंहंदी की तरह प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।तीज पर मेहंदी लगाने, चूड़ियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्योहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूड़ियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्वारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर षोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्वारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है।

सरोकार

बांग्लादेश में तालिबानी साये की आहट

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

बांग्लादेश में एक सरकारी ड्रेस कोड आदेश ने अचानक पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह मामला सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रहा, इसने लैंगिक स्वतंत्रता, धार्मिक हस्तक्षेप, सरकारी सख्ती और नागरिक आज़ादी जैसे बड़े मुद्दों को जन्म दे दिया है कि आखिर आनेवाले समय में बांग्लादेश एक लोकतंत्रात्मक देश रहेगा या यहां भी तालिबानी शासन कायम हो जाएगा! इसके साथ ही यहां अभिव्यक्ति पर अंकुश लगा देने के निकाले गए आदेश के बाद लगातार मोहम्मद यूनुस सरकार की आलोचना हो रही है।दरअसल, हाल ही में बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक द्वारा जारी किया गया एक सर्कुलर ऐसा लग रहा था जैसे यह किसी धार्मिक संस्थान की आचार-संहिता हो। इसमें महिला कर्मचारियों को स्लीवलेस, टाइट कपड़े, लेगिंग्स और छोटे वस्त्र पहनने पर सख्त पाबंदी लगा दी गई थी। केवल साड़ी या सलवार-कमीज़ (दुपट्टा या हिजाब के साथ) की ऑफिस में महिलाओं को आने की अनुमति दी गई थी। पुरुषों के लिए जींस पहनकर आने पर रोक लगा दी गई। उनके लिए फॉर्मल शर्ट-पैंट अनिवार्य कर दिया गया। सर्कुलर में यह भी उल्लेख था कि आदेश न मानने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी और इसके पालन हेतु विभागीय मॉनिटरिंग भी की जाएगी।ड्रेस कोड आते ही सोशल मीडिया पर बवाल मच गया। लोगों ने सवाल उठाया कि ÷शालीन और पेशेवर कपड़े÷ की परिभाषा तय करने का अधिकार सरकार को किसने दिया? एक यूज़र ने तीखा तंज कसते हुए लिखा- ÷कहीं ये अफगानिस्तान तो नहीं बनता जा रहा? ये कैसा नया तालिबानी युग है?÷ बैंक गवर्नर की बेटी की खुले पहनावे वाली तस्वीरें भी वायरल होने लगीं, जिससे दोहरे मापदंड का आरोप सामने आया। वहीं, बांग्लादेश महिला परिषद, मानवाधिकार संगठन और अनेक शिक्षाविदों ने इस आदेश की तीखी आलोचना शुरू कर दी।

महिला परिषद की अध्यक्ष फौजिया मुस्लिम ने कहा कि ÷यह आदेश न सिर्फ महिलाओं की पसंद पर हमला है, बल्कि एक खास मजहबी एजेंडे को थोपने की कोशिश है।÷आखिर सोशल मीडिया पर भारी विरोध और गवर्नर डॉ. अहसान एच. मंसूर की नाराजगी के बाद बैंक ने यह आदेश वापस ले लिया। प्रवक्ता आरिफ हुसैन ने इसे ÷सिर्फ एक सलाह÷ करार दिया और कहा कि यह आधिकारिक नीति नहीं थी। अब पूछने वाले यहां अपनी सरकार से प्रश्न कर रहे हैं कि अगर यह सलाह थी, तो इसे विभागीय अनुशासन से क्यों जोड़ा गया? और फिर वापस लेने में इतना समय क्यों लेना पड़ा?इस विवाद के ठीक बाद एक और फैसला सामने आया है, एक संशोधित अध्यादेश, जिसके तहत अब सरकारी कर्मचारी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन नहीं कर सकते। ÷आज्ञा उल्लंघन÷ जैसे शब्दों की जगह अब ÷सार्वजनिक कर्तव्यों में बाधा डालने वाला दुर्व्यवहार÷ जोड़ा गया है, जिसका अर्थ व्यापक और खतरनाक माना जा रहा है। बांग्लादेश का अब नया कानून कहता है कि ऐसे मामलों में न तो कोई अपील होगी और न ही सुनवाई। कर्मचारी को नौकरी से निकाला जा सकता है या पदावनत किया जाएगा।इस आदेश के साथ ही ध्यान गया उन संगठनों और नेताओं की ओर जो पिछले कुछ वर्षों से बांग्लादेश में शरिया कानून लागू करने की मांग कर रहे हैं। इनमें सबसे मुखर संगठन हैं, जमात-ए-इस्लामी जोकि बांग्लादेश की एक इस्लामी राजनीतिक पार्टी है। यह लंबे समय से देश के संविधान को इस्लामी रंग देने की मांग कर रही है।

यह संगठन 1971 के युद्ध अपराधों में शामिल रहा है और बार-बार मजहब इस्लाम के नाम पर कानूनों में बदलाव की मांग करता रहा है।इसी तरह से हिफाज़त-ए-इस्लाम एक कट्टरपंथी मदरसा आधारित संगठन हाल के वर्षों में महिलाओं के पहनावे, मूर्तियों और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ यहां उग्र प्रदर्शन कर रहा है। हिफाज़त की मांग है कि ÷नैतिक पतन÷ रोकने के लिए महिलाओं को इस्लामी परिधान अनिवार्य किया जाए। इसके अलावा जमात-चार मोनई आज बांग्लादेश में एक ऐसे संगठन के रूप में सामने आया है जो खुलकर बांग्लादेश को ÷शरीया-आधारित इस्लामी राष्ट्र÷ बनाने की बात करता है। मई 2025 में इस संगठन ने ढाका विश्वविद्यालय के पास एक रैली की थी, जिसमें हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए थे।

शंघाई सहयोग संगठन शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन

नित्य चक्रवर्ती -हल के महीने भारत के लिए अपने दो पड़ोसियों, पाकिस्तान और भारत के साथ सहज नहीं रहे हैं, लेकिन तीसरे सबसे शक्तिशाली पड़ोसी देश चीन के मामले में, स्थिति अलग हो गई है। भारत-चीन संबंध, जो 2020 में गलवन घाटी में हुई झड़पों के समय कटु हो गए थे, पिछले साल से नरम पड़ने लगे और अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक के बाद सामान्यीकरण की प्रक्रिया और प्रभावी हुई। नई दिल्ली में उम्मीदें हैं कि 31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में दोनों नेताओं के बीच होने वाली बैठक के बाद इस सामान्यीकरण प्रक्रिया को और बढ़ावा मिल सकता है। बुधवार, 23 जुलाई को ही, भारत ने चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा को फिर से शुरू करने की घोषणा की, जो 2020 की झड़प के बाद से बंद कर दिया गया था। यह लंबे समय से प्रतीक्षित था, लेकिन इस निर्णय और सीमा स्थिति पर भारत-चीन राजनयिक वार्ता के परिणाम पर चीन की संतुष्टि ने वैश्विक उथल-पुथल की स्थिति में द्विपक्षीय संबंधों में और सुधार के लिए माहौल बनाया है। चीन पहले ही कैलाश मानसरोवर यात्रा की अनुमति दे चुका है। दोनों सरकारों द्वारा सहमत इस जन-जनसंपर्क दृष्टिकोण ने निश्चित रूप से कुछ अन्य मुद्दों, जिन पर मतभेद बने हुए हैं, को सुलझाने में एक बड़ी सफलता के लिए आधार तैयार किया है। नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग के बीच आगामी द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन इस दिशा में कुछ सकारात्मक दिशा दे सकता है। चीन और रूस के प्रभुत्व वाले एससीओ में वर्तमान में दस सदस्य हैं-चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, ईरान और बेलारूस। पर्यवेक्षक ईरान, तुर्की, अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान, मंगोलिया, कतर और संयुक्त अरब अमीरात हैं। चीन पांचवीं बार एससीओ बैठक की मेजबानी कर रहा है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अगस्त में होने वाले शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भी शामिल होने की उम्मीद है। इस तरह, प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक भी कर सकते हैं। राष्ट्रपति पुतिन इस साल के अंत तक भारत आने वाले हैं। एससीओ शिखर सम्मेलन भारतीय प्रधानमंत्री को नवीनतम वैश्विक घटनाक्रमों के संदर्भ में भारत-रूस के संबंधों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगा। चूंकि चीन एससीओ-2025 शिखर सम्मेलन को एक मेजबान के रूप में देखता है, इसलिए यह शिखर सम्मेलन अपने संस्थापक मिशन के प्रति समर्पित रहेगा और शंघाई भावना को आगे बढ़ाएगा। पारस्परिक विश्वास, पारस्परिक लाभ, समानता, परामर्श, सभ्यताओं की विविधता के प्रति सम्मान और साझा विकास की दिशा में प्रयास, नए प्रकार के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को दर्शाते हैं। शिखर सम्मेलन में विचार-विमर्श सदस्य देशों की सुरक्षा को सुदृढ़ करने पर केंद्रित होगा। दिलचस्प बात यह है कि चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने बिना नाम लिए अमेरिका की ओर इशारा करते हुए कहा कि एक देश अपने हितों को अंतरराष्ट्रीय जनहित से ऊपर रखता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साझा हितों को नुकसान पहुंचता है। एससीओ को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ को मानवता के साझा मूल्यों की रक्षा करने, सदस्य देशों के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा करने और एक अधिक न्यायसंगत एवं समतापूर्ण वैश्विक शासन प्रणाली के लिए काम करने के अवसर के रूप में लेना चाहिए। एससीओ घोषणापत्र में अगले विकास दशक के लिए एक चार्टर शामिल किये जाने की उम्मीद है। 15 जुलाई को एससीओ के विदेश मंत्रियों के साथ एक बैठक में, राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि चीन ने हमेशा अपनी पड़ोस कूटनीति में एससीओ को प्राथमिकता दी है और एससीओ को और अधिक ठोस व मजबूत बनाने, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता की रक्षा करने, सदस्य देशों के विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने और साझा भविष्य वाले एक घनिष्ठ समुदाय के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। शी जिनपिंग ने जोर देकर कहा कि अशांत और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में, एससीओ को केंद्रित रहना चाहिए, आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए, कुशलता से कार्य करना चाहिए और दुनिया में अधिक स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। तियानजिन शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग के राष्ट्रपति पुतिन से भी मिलने की उम्मीद है। इसी तरह, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी राष्ट्रपति पुतिन से बात करने और नवीनतम वैश्विक घटनाक्रमों के संदर्भ में भारत-रूस संबंधों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि चीनी मीडिया हाल के दिनों में भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक रूप से देख रहा है। चीन के सरकारी दैनिक ग्लोबल टाइम्स ने अपने 23 जुलाई के अंक में कहा कि जून में शिजांग स्वायत्त क्षेत्र के पवित्र पर्वत और झील्य की यात्रा पर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों की बहाली, चीनी पक्ष की सद्भावना और विश्वसनीयता को दर्शाती है।

नजरिया

खेती में किसान-मजदूरों का भाईचारा

इन दिनों खेती-किसानी में धान रोपाई का काम चल रहा है। साल भर में यह एक ऐसा मौका होता है जब किसान और मजदूरों में भाईचारा देखने को मिलता है। किसानों को धान रोपाई में मजदूरों की जरूरत होती है, और मजदूरों को काम की। जबकि अन्य दिनों खेती में मशीनीकरण के कारण मजदूरों की जरूरत कम हो गई है। आज खेती के इसी बदलते स्वरूप पर चर्चा करना उचित होगा, जिससे खेती को समग्रता से समझा जा सके। जब मैं बचपन की याद करता हूं, तो उस समय धान रोपाई का काम लोकगीतों के साथ होता था। कभी रिमझिम तो कभी तेज झमाझम बारिश के बीच धान रोपाई का काम होता था। है। धान रोपाई के मजदूरों की टोलियां रंग-बिरंगी क्यारियों सी बिछ गई लगती थी। प्रकृति की लय के साथ मजदूरों का उत्साह भी देखते बनता था। इससे शारीरिक श्रम का कष्ट भी कम हो जाता होगा। क्योंकि यह मेहनत का काम होता है। यह ऐसा समय होता है जिसमें सबको काम मिलता है, पुरुष, महिला, बुजुर्ग सभी काम करते हैं। यही वह मौका होता है, जब तीज-त्यौहार की शुरूआत होती है। कल ही हरियाली अमावस्या

थी। अब रक्षाबंधन आने वाला है। इसके बाद लगातार त्यौहारों का सिलसिला चलता रहता है। मजदूरी के लिए पहाड़ी क्षेत्रों के लोग मैदानी क्षेत्रों में आते हैं। कई कारणों से पहाड़ी इलाकों में खेती उतनी अच्छी नहीं होती, जितनी मैदानी क्षेत्रों में होती है। धान रोपाई व फसल कटाई ऐसा मौका होता है, तब मैदानी क्षेत्र में मजदूरों की जरूरत होती है, और पहाड़ी क्षेत्र के लोग यह काम करने आते हैं। इस तरह किसान व मजदूरों दोनों की जरूरतें पूरी हो जाती हैं। ऐसा सिलसिला बरसों से चलता आ रहा है। हमारा देश कृषि प्रधान है, यह हम बरसों से सुनते-पढ़ते आ रहे हैं। लेकिन अब किसानों से ज्यादा मजदूरों की संख्या हो गई है। इसका एक कारण खेती का मशीनीकरण होते जा रहा है। हालांकि अब खेती का संकट भी किसी से छिपा हुआ नहीं है। लघु-कुटीर उद्योग भी खत्म हो गए हैं, या काफी कम हो गए हैं। लेकिन मैं यहां खेती-किसानी की मिली-जुली संस्कृति और पारंपरिक खेती की चर्चा करना चाहूंगा। बचपन में हम देखते थे कि किसान खुद से ही खेती का काम करते थे। वे फसलों में बीज के लिए अलग से अनाज रखा करते थे। इस संबंध में उत्तराखंड के बीज बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता विजय जडधारी एक कहावत बताते हैं खाज खाणु अर बीज धरणु। यानी खाने वाला अनाज खाओ पर बीज सुरक्षित रखो। हर बार बीज रखने और हर अगली फसल बोने के साथ पीढ़ियों से लोगों ने बीज बचाकर रखे हैं। इसी प्रकार, पशुपालन से गोबर खाद होता था, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती थी। और इससे पोषण की जरूरतें भी पूरी हो जाती थीं। बैलों से खेतों की जुताई होती थी। पशुपालन और खेती दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

इसके साथ, किसान खुद ही मेहनत करते थे। देसी बीज, गोबर खाद व हाथ से मेहनत से खेती होती थी। इससे खेती में लागत कम होती थी, और विविधता भी होती थी। पहले एकल फसलों की जगह मिश्रित फसलों का चलन था। छत्तीसगढ़ में मेड़ों पर अरहर, तिली, अमाड़ी, भिंडी, बरबटी, झुरगा (बरबटी की तरह बीज) चुटचुटिया (ग्वारफली) आदि लगाते थे। यानी एक ही खेत में चावस दलहन, तिलहन सब कुछ हो जाता था। यही छत्तीसगढ़ की खान-पान की संस्कृति व तीज-त्यौहार से जुड़ा है। यह बीज बचाना ही नहीं, बल्कि जैव विविधता, खेती और पशुपालन आधारित जीवन पद्धति और संस्कृति बचाना है। लेकिन अब हमें खेतों में कंबाईन-हार्वेस्टर का चलन दिखाई दे रहा है, इसे समृद्धि और विकास का प्रतीक मानते हैं। जबकि हकीकत में इसके कई नुकसान सामने आ रहे हैं। इसके आने से जो रोजगार कटाई और थ्रेसिंग के रूप में मजदूरों को मिलता था उससे वे वंचित हो रहे हैं। कंबाईन -हार्वेस्टर से कटाई के बाद जो ठंडल छूट जाते हैं, उनमें आग लगाने से हरे-भरे पेड़ जल रहे हैं, भूमि की उर्वर को बनाने वाले सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो रहे हैं। जैव-विविधता खत्म हो रही है। एक बड़ा असर धरती के गरम होने का भी हैं। कार्बन गैसों के उत्सर्जन से यह खतरा जुड़ा है। इस समय देश-दुनिया में जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है, इसके बावजूद ऐसी मशीनों के उपयोग पर सावधानी नहीं बरती जा रही है। हम देखते हैं कि खेतों में गेहूं की कटाई हुई है। मजदूरों की जगह अब कंबाईन हार्वेस्टर से कटाई की जाने लगी है। कटाई के बाद बचे गेहूं की नरवाई (गेहूं के ठंडलों में) आग लगाई जा रही है।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक संपादक पंकज कुमार ने पवन कमल प्रिन्टर्स लालनेर शिकारपुर बुलंदशहर से मुद्रित कराकर मकान नम्बर 353 लालनेर निकट बड़ी मस्जिद लालनेर बुलंदशहर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
प्रधान संपादक पंकज कुमार मो0 8433407359 Mail:pawankamalhindi@gmail.com सभी वादों का न्याय क्षेत्र बुलंदशहर होगा

रेडक्रॉस सोसाइटी की राज्य शाखा के सभापति बने ब्रजेश पाठक, अरुण कोषाध्यक्ष

संवाददाता

लखनऊ। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा के चुनाव कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को सर्वसम्मति से सभापति चुना गया। चुनाव में कोषाध्यक्ष पद के लिए अरुण कुमार सिंह के नाम का भी प्रस्ताव पारित किया गया। यह जानकारी चुनाव अधिकारी गंगाराम गुप्ता ने दी। फतेहपुर चेयरमैन अनुराग श्रीवास्तव ने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के नाम का प्रस्ताव सभापति पद के लिए और अरुण कुमार सिंह का नाम कोषाध्यक्ष पद के लिए रखा। प्रस्ताव का समर्थन पूर्व उप सभापति अखिलेंद्र शाही ने किया, जिस पर सदन ने ध्वनि मत से दोनों नामों पर मुहर लगा दी। इस दौरान शाही ने पिछले वर्षों में सोसाइटी द्वारा किए गए जनहित कार्यों की जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा- रेडक्रॉस सोसाइटी का कार्यक्षेत्र बेहद व्यापक है। आपदा राहत, स्वास्थ्य सेवा और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में इसका प्रभावशाली योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि भारत में सोसाइटी की 1100 से अधिक शाखाएं कार्यरत हैं जो प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, रक्तदान अभियान और विभिन्न बीमारियों के उन्मूलन को लेकर निरंतर कार्यक्रम चला रही हैं। डिप्टी सीएम ने कहा रेडक्रॉस सिर्फ सेवा संगठन नहीं, बल्कि एक ऐसी संस्था है जो निष्पक्षता, निस्वार्थ और एकता जैसे मानवीय सिद्धांतों को समाज में प्रसारित करती है। उन्होंने बताया कि युद्ध या संघर्ष की स्थिति में रेडक्रॉस घायल नागरिकों और युद्ध बंदियों की मदद करने में भी अहम भूमिका निभाती रही है। ब्रजेश पाठक ने रेडक्रॉस को समाज सेवा की दिशा में एक मजबूत कड़ी बताया और कहा कि वर्तमान दौर में ऐसी संस्थाओं की जरूरत और बढ़ जाती है।

जन अपेक्षाओं पर खरा उतरना सरकार की प्राथमिकता धरातल पर दिखें योजनाये: योगी आदित्यनाथ

अपनाई जाए समन्वय, संवाद और संरचना आधारित कार्य संस्कृति

संवाददाता

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज अयोध्या एवं देवीपाटन मंडल के जनप्रतिनिधियों, लोक निर्माण विभाग, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी प्राथमिकताओं और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सुनिश्चित करना था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार केवल योजनाएं बनाकर ही नहीं रुकती बल्कि योजनाओं को धरातल पर उतारने और जनता तक लाभ पहुंचाने में भी विश्वास करती है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए शासन और जनप्रतिनिधियों के बीच सशक्त संवाद आवश्यक है।

राज्य सरकार नगर निकायों को अलग से वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराती है और सीएम ग्रिड योजना के माध्यम से नगरों के समग्र विकास को नई दिशा दी जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि नगर निगम एवं नगर निकाय अपने क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा करते समय स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अवश्य शामिल करें। जनप्रतिनिधियों को योजनाओं की जानकारी देना, उनके सुझावों को शामिल करना और कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है।मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि जिन नगर निकाय क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया गया है, वहां पर विशेष ध्यान दिया जाए। इन नए शहरीकृत गांवों में पेयजल, जलनिकासी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता से पूरी कराई जाएं ताकि नगरीय सुविधा और ग्रामीण पहचान के बीच सामंजस्य बना रहे।

जिला मुख्यालयों को फोर लेन और ब्लॉक मुख्यालयों को कम से कम दो लेन की सड़कों से जोड़ने का कार्य तेजी से किया जाए। सभी विभाग ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर उन्हें तत्काल ठीक कराने के लिए समन्वित प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल विभाग की जिम्मेदारी नहीं बल्कि शासन की संवेदनशीलता का परिचायक है।सड़क अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की सड़कों की चौड़ाई को 3.5 मीटर से बढ़ाकर 5 मीटर किया जा रहा है। इससे न केवल यातायात अधिक सुरक्षित और सुगम होगा, आपातकालीन सेवाएं जैसे एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की पहुँच भी तेज हो सकेगी। यह निर्णय शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।बैठक में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग को निर्देशित किया गया कि प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक पर्यटन स्थल चिन्हित किया जाए और वहां पर सौंदर्यीकरण के साथ-साथ जनसुविधाओं का विकास किया जाए। इससे स्थानीय पर्यटन को बल मिलेगा और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सेतुओं के निर्माण को प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना से जोड़ा जाए।योजना विभिन्न अवसंरचनात्मक परियोजनाओं के समन्वय को सुदृढ़ करने का एक राष्ट्रीय मॉडल है। इसके अंतर्गत सेतु निर्माण कार्यों को तीव्रता से आगे बढ़ाया जा सकता है। वित्तीय संसाधनों का भी समुचित उपयोग होता है।बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल लोक निर्माण विभाग ही नहीं बल्कि सभी विभाग-चाहे वह नगर विकास हो, जल शक्ति हो या पर्यटन विभाग अपनी कार्ययोजनाएं तैयार करते समय जनप्रतिनिधियों से संवाद स्थापित करें। इससे योजनाएं जमीन से जुड़ेंगी और वास्तविक समस्याओं का समाधान हो सकेगा। जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं में शामिल किया जाए। जो कार्य योजनाएं स्वीकृत हो चुकी हैं, उनकी टेंडर प्रक्रिया तत्काल पूर्ण की जाए और मानसून के बाद जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों से उनका भूमि पूजन कराया जाए। इससे न केवल विकास कार्यों को गति मिलेगी बल्कि जनसहभागिता, उत्तरदायित्व की भावना भी सशक्त होगी।मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों को उनके क्षेत्रों की जनता से निरंतर संवाद बनाए रखने, योजनाओं की जानकारी देने और शासन तक जनता की समस्याएं पहुंचाने की जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाते हुए जनप्रतिनिधि पारदर्शिता और जवाबदेही की मिसाल बनें। मुख्यमंत्री ने उन क्षेत्रों का विशेष उल्लेख किया जो हाल ही में बाढ़ या किसी अन्य आपदा से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर के पुनर्निर्माण को प्राथमिकता दी जाए। योजनाओं को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। बैठक के समापन पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संवाद और समीक्षा केवल एक बैठक नहीं, बल्कि शासन के नई कार्य संस्कृति का संकेत है, जहां योजनाएं सिर्फ फाइलों में नहीं, जनता के जीवन में बदलाव लाने वाली साबित हों।

कैंपस उत्तर प्रदेश की एआई सिटी परियोजना का हिस्सा है: योगेन्द्र उपाध्याय

संवाददाता

लखनऊ। देश की पहली एआई-ऑग्मेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी निजी यूनिवर्सिटी के रूप में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उन्नाव में किया गया। यह विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रदेश में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को नई दिशा देगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि यह संस्थान न केवल उन्नाव ही नहीं,

मुख्यमंत्री ने किया एआई आधारित निजी विश्वविद्यालय चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का उद्घाटन

बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए उच्च शिक्षा में बदलाव का वाहक बनेगा। उन्होंने बताया कि यह फ्यूचरिस्टिक कैंपस अत्याधुनिक तकनीक, इंडस्ट्री कोलेबोरेशन और वैश्विक विशेषज्ञता से युक्त है। विश्वविद्यालय में स्थापित एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, स्टार्टअप एवं एंटरप्रेन्योरशिप केंद्र और गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, केपीएमजी जैसी कंपनियों के साथ एमओयू से विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं नवाचारयुक्त शिक्षा का लाभ मिलेगा। विश्वविद्यालय का यह कैंपस उत्तर प्रदेश की एआई सिटी परियोजना का हिस्सा है, जो प्रदेश को तकनीकी शक्ति केंद्र में बदलने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यहाँ से तैयार होने वाली दक्ष मानवशक्ति प्रदेश की 01 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को साकार करने में सहायक बनेगी।

चित्रकूट में और भव्यता के साथ होगा श्रद्धालुओं का स्वागत

प्रयागराज-चित्रकूट, बांदा-चित्रकूट एवं कौशांबी-चित्रकूट मार्ग पर होगा प्रवेश द्वारों का निर्माण

संवाददाता

लखनऊ। यूपी पर्यटन विभाग तीर्थ स्थलों के विकास योजना के अंतर्गत चित्रकूट में अब श्रद्धालुओं का स्वागत और भी भव्य रूप में किया जाएगा। चित्रकूट में प्रवेश करने वाले तीन प्रमुख सड़क मार्गों-प्रयागराज-चित्रकूट, बांदा-चित्रकूट एवं कौशांबी-चित्रकूट मार्ग पर भक्ति थीम पर आधारित तीन भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए 05 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गयी है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि चित्रकूट भगवान राम की तपोभूमि है। जयवीर सिंह ने कहा, वनवास के दौरान प्रभु श्री राम, माता सीता और भाई लक्ष्मण ने साढ़े ग्यारह वर्ष बिताए थे। चित्रकूट से जुड़े तीन प्रमुख मार्ग में भक्ति थीम पर आधारित प्रवेश द्वारों का निर्माण किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं को होगा चित्रकूट की दिव्यता का अनुभव: उन्होंने बताया, इसका उद्देश्य न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है, बल्कि यात्रियों की सुविधा बढ़ाना और राम वन गमन पथ को भव्य बनाना भी है। जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग का उद्देश्य श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को चित्रकूट के विकास के साथ आध्यात्मिक गरिमा का बनाए रखना भी है। प्रवेश द्वारों की संरचना में भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण की छवियों, धार्मिक प्रतीकों, स्थापत्य कला और लोक संस्कृति के मूल भावों को शामिल किया जाएगा। प्रत्येक द्वार स्थानीय स्थापत्य शैली एवं धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया जा रहा है।

गांवों के समग्र व संतुलित विकास से ही बनेगा विकसित भारत

गांव व ग्रामीणों को हर हाल में बनाना है सशक्त स्वावलंबी व आत्मनिर्भर: केशव

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गांवों के समग्र व संतुलित विकास से ही विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य पूरा होगा। गांवों व ग्रामीणों को हर हाल में सशक्त, स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाना है। स्मार्ट सिटी की तरह स्मार्ट गांव बनाना है। विकास कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए। उत्तर प्रदेश का ग्राम्य विकास विभाग कई योजनाओं में देश मे टॉप पर है। उत्तर प्रदेश मे मनरेगा में महिला भागीदारी देश में सर्वोच्च है। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चाधिकारियो व मुख्य विकास अधिकारियो को निर्देश दिये कि निष्क्रिय स्वंय सहायता समूहों को सक्रिय करने में मुख्य विकास अधिकारी विशेष फोकस करें। प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण

को और अधिक पारदर्शी व निष्पक्ष बनाया जाय। श्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को योजना भवन मे प्रदेश के समस्त मुख्य विकास अधिकारियो के साथ आयोजित विकास कार्यो की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता गरीबों का कल्याण करना है। पीएमजीएसवाई की एफडीआर तकनीक में उत्तर प्रदेश ने लीडरशिप की भूमिका निभाई है।पीएमजीएसवाई की एफडीआर तकनीक से बनाई जा रही सड़कों की नियमित रूप से निगरानी की जाय।

समूहों के उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाकर देश-विदेश के मार्केट में ले जाएं।गांवो के युवा बेरोजगारों को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से जोड़ने का कार्य किया जाए।गांवो की श्रम शक्ति को सही दिशा में मोड़ा जाए।सीडीओ गांवों के विकास कार्यो की जमीनी हकीकत को परखें। मनरेगा से पुराने कार्यो का ठीक से अनुरक्षण किया जाए।पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पोर्टल विकसित किया जाय।ग्राम चौपाल जनता से जुड़ने का सशक्त माध्यम है।

ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण ग्राम चौपालो मे किया जाय। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मनरेगा के तहत खेल मैदान बनाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न जिलों के 11खंड विकास अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।उप मुख्यमंत्री द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में बेहतर कार्य करने के लिए तीन मुख्य मुख्य विकास अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कई मामलों में अन्य संस्थानों के लिए रोल मॉडल है एकेटीयू: प्रो जेपी पाण्डेय

एकेटीयू ने पूरी की 25 सालों की यात्रा, विवि के स्थापना दिवस पर आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

संवाददाता

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में सिल्वर जुबली वर्ष एवं 25वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम में सिल्वर जुबली लोगो कॉम्पटीशन के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इसके अलावा विश्वविद्यालय के गोद लिये गये पांच आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। साथ ही गोद लिये गये स्कूलों और आईईटी में छात्रों की ओर से संचालित परमार्थ के 25-25 बच्चों को किट दी गई।

साथ ही इंट्रा यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट के विजेताओं और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिये गये। इस मौके पर कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय

ने विश्वविद्यालय की 25 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अपने आप में विशिष्ट संरचना वाला यह विश्वविद्यालय अपने शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के अथक प्रयासों से आज इस मुकाम पर है। उन्होंने विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में योगदान के लिए पूर्व के सभी कुलपतियों और अधिकारियों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय से मेरा जुड़ाव शुरू से रहा है।

यह एक भावनात्मक करने वाला दिन है। विश्वविद्यालय के इस 25वें साल में नैक ने पहली बार मूल्यांकन किया और ए ग्रेड मिला। यह बड़ी उपलब्धि है। उत्तर भारत में परीक्षा प्रणाली को डिजिटलाइजेशन करने और डिजीलाकर को शुरू करने वाला यह पहला विश्वविद्यालय है। कई मामलों में यह विश्वविद्यालय अन्य संस्थानों के लिए रोल मॉडल है। इस दौरान विश्वविद्यालय के 25 वर्षों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी चलायी गयी। इसके पहले कार्यक्रम की शुरूआत 25 पौधों के रोपण से हुई। इसके बाद जल संरक्षण का संदेश देने के लिए जल भरो के तहत कलश को जल से भरा गया।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान की भी समीक्षा

संवाददाता

लखनऊ। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक जिलाधिकारी विशाख जी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत हुयी 7 इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वार विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान की भी समीक्षा की गई। 7 बैठक में नए पोस्ट मार्टम हाउस का प्रपोजल तैयार कर सम्बन्धित अधिकारी को भेजने निर्देश दिए गए। साथ ही सभी स्वास्थ्य इकाइयों को जननी सेवा योजना (जेएसवाई) के तहत समय से भुगतान करने और केजीएमयू व रानी अवन्ती बाई जिला महिला अस्पताल को शत प्रतिशत भुगतान के निर्देश दिए गए।

बैठक में संज्ञान में आया कि राम मनोहर लोहिया और बलरामपुर में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र में

गोसाईगंज, मोहनलालगंज क्षेत्र से बच्चे कम रेफर हो रहे हैं 7 इसके लिए जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी, आईसीडीएस को निर्देश दिए कि सम्बन्धी क्षेत्र के बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ) के माध्यम से अति गंभीर कुपोषित (सैम) और मध्यम गंभीर कुपोषित(मैम) बच्चों को रेफर कराया जाये। बैठक में नियमित टीकाकरण की समीक्षा करते हुये काकोरी, मोहनलालगंज, नगराम, मोहनलालगंज और मलिहाबाद में तीन-तीन टीकाकरण सत्रों की समीक्षा और छाया ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण दिवस पर (छाया-वीएचएसएनडी) में मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य और परिवार नियोजन सहित अन्य दी जाने वाली सेवाओं का आकलन अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मोहनलालगंज, बक्शी का तालाब और इटौंजा ब्लाक में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) की उपस्थित कम होने पर नाराजगी व्यक्त की गई। साथ ही राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुये निर्देश दिए कि अधिक से अधिक लोगों को निक्षय मित्र बनाया जाये और टीबी रोगियों को पोषण पोटली वितरित की जाये।

परियोजनाओ समय और गुणवत्ता पूर्ण पूरा करने के निर्देश

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार की अध्यक्षता में नगर निगम मुख्यालय स्थित सभागार में अभियंत्रण और सफाई विभाग से संबंधित प्रगति समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस दौरान पंद्रहवां वित्त आयोग, अवस्थापना निधि, मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं वैश्विक नगर योजना जैसे प्रमुख विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में समस्त अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने सभी अभियंताओं और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उपरोक्त सभी योजनाओं के अंतर्गत चल रहे कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर तथा पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर के विकास से जुड़ी किसी भी योजना में लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन प्रोजेक्टों का किसी कारणवश निरस्तीकरण हो चुका है।

कांग्रेस ने कथावाचक अनिरुद्धाचार्य को बताया महिला विरोधी

संवाददाता

लखनऊ। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महिलाओं को लेकर दिये गये विवादास्पद बयान के बाद लोगों के निशाने पर हैं और इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी उनपर आज जमकर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा कि अनिरुद्धाचार्य का महिलाओं के प्रति दिया बयान बहुत ही निंदनीय है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय सेवक संघ (आरएसएस) को निशाने पर लेते हुए कहा कि, भाजपा और आरएसएस ऐसे लोगों का बचाव करती है जो महिलाओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करते हैं, क्योंकि भाजपा-आरएसएस महिलाओं का सम्मान नहीं करती, उन्हें महिलाओं का अपमान करने वाले पसंद हैं। गौरतलब है कि अनिरुद्धाचार्य ने महिलाओं को लेकर दिए विवादित बयान में 14 साल की बच्चियों के विवाह की वकालत की और कहा कि विवाह के बाद भी जो स्त्रियां अपने माँ-बाप से जुड़ी रहती हैं, वे अपना घर तहस-नहस कर लेती हैं। अनिरुद्धाचार्य ने महिलाओं को सामान बताते हुए यह भी कहा कि अगर पत्नी सस्ती लाई जाए तो वह ठीक से नहीं चलती। उनके अनुसार, 25 साल की लड़कियां शादी के बाद अपनी जवानी कहीं और फिसलने देती हैं। अनिरुद्धाचार्य ने भगवान और देवताओं के बीच अंतर पर भी बात की। उन्होंने शाकाहार पर टिप्पणी करते हुए कुत्ता पालने वालों की तुलना मांसाहारियों से की। उनके इन बयानों पर समाज में भारी आक्रोश है और उनके खिलाफकानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही है। अनिरुद्धाचार्य वृंदावन में गौरी गोपाल आश्रम चलाते हैं और उनका असली नाम अनिरुद्ध राम तिवारी है।

हमें बहसों से ऊपर उठकर संविधान को बचाना होगा: अन्नू टंडन

सपा ने लखनऊ में मनाया संविधान मानस्तंभ स्थापना दिवस

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने शनिवार को लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में आरक्षण दिवस को संविधान मानस्तंभ स्थापना दिवस के रूप में मनाया।

लखनऊ महानगर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं ने संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद अन्नू टंडन ने शिरकत की और संविधान के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया। अन्नू टंडन ने कहा ÷हमें फिजूल की बहसों से ऊपर उठकर संविधान को बचाना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष फखिर सिद्दीकी ने की। इस दौरान उपस्थित नेताओं ने संविधान के

महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज जिस तरह से संवैधानिक संस्थाएं और मूल अधिकारों पर हमले हो रहे हैं, ऐसे में समाजवादी पार्टी संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद अन्नू टंडन ने कहा, संविधान दिवस हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हमें समझना होगा कि आज संविधान को लेकर खतरा मंडरा रहा है। हम सबको मिलकर इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी। संविधान ने हमें अधिकार दिए हैं, और इन्हीं अधिकारों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। जो लोग समाज को हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद के नाम पर बांट रहे हैं, वे असल में समाज को भटकाने का काम कर रहे हैं। हमारे समाजवाद में इन बातों की कोई जगह नहीं है। पिछड़े, महिलाएं, अल्पसंख्यक-हर वर्ग की समान भागीदारी ही हमारा असली एजेंडा है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने आरक्षण को सामाजिक बराबरी और न्याय का आधार बताया और कहा कि जब तक देश में हर वर्ग को समान अवसर नहीं मिलते, तब तक संविधान के उद्देश्य अधूरे रहेंगे। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

28 को श्री कोतवालेश्वर महादेव की नगर भ्रमण यात्रा

लखनऊ। सोमवार को चौक कोतवाली स्थित श्री कोतवालेश्वर मंदिर से श्री कोतवालेश्वर महादेव जी चांदी की पालकी में नगर भ्रमण यात्रा पर निकलेगें। यह जानकारी यहां मंदिर में आयोजित प्रेसवार्ता में श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर के महंत विशाल गौड़ ने आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होने बताया कि श्री कोतवालेश्वर बाबा जी को चांदी पालकी में बैठाया जायेगा उसके पश्चयत बाबा जी की आरती व गॉड ऑफ ऑनर प्रशासनिक द्वारा दिया जायेगा और प्रशासनिक से आये होम गार्ड बैण्ड बजा कर बाबा को प्रस्थान करेंगे। नगर भ्रमण यात्रा श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर से कोनेश्वर और चरक चौराहा होते हुए बैंड बाजे के साथ मंदिर में पुनः वापसी आने पर भव्य आतिशबाजी की जायेगी। नगर भ्रमण यात्रा करते हुए नगर के हाल-चाल जानेगे महादेव। इस नगर भ्रमण में काफी सांख्य में भक्तगण उपस्थित रहेंगे। नगर भ्रमण यात्रा में महाराष्ट्र से आए रंगोली कलाकार ने रंगोली बनाई जायेगी प्रशासनिक घोड़े, लिल्ली घोड़ी, हाथी, ऊंट 10 रिक्शे है उसे पर मूर्ति वाली झांकियां, डीजे इलु मस्ताना झांकी, ब्रास बैंड, 6 बगियां, डमरू ग्रुप, बनारस की झांकी, झंकार बैंड, शंकर जी की 11 फिट मूर्ति, पीले वस्त्रों में महिलाएं झांझ बजायेगी।

निजीकरण और उत्पीड़न के विरोध में 27 को बैठक

संवाददाता

लखनऊ। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में एवं निजीकरण हेतु प्रबन्धन द्वारा की जा रही उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों के विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश की 27 जुलाई को लखनऊ में हो रही कोर कमेटी की बैठक में विचार विमर्श कर आन्दोलन को तेज करने का निर्णय लिया जाएगा। आज लगातार 241 वें दिन बिजली कर्मियों ने प्रदेश भर में समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर व्यापक विरोध प्रदर्शन जारी रखा।विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने आज यहां बताया कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का अब तक निजीकरण न कर पाने से खीझे हुए पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने बिजली कर्मचारियों का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न करना प्रारंभ कर दिया है। संघर्ष समिति ने कहा कि झूठे आंकड़े देकर और उत्पीड़न कर के भय का वातावरण बना कर पावर कॉरपोरेशन निजीकरण करना चाहता है जिसे बिजली कर्मी कदापि स्वीकार नहीं करेंगे। संघर्ष समिति ने बताया कि बिजली कर्मियों का उत्पीड़न की दृष्टि से हजारों की तादाद में बड़े पैमाने पर स्थानांतरण किया गया और बिजली कर्मियों को जिनमें महिला कर्मी भी सम्मिलित थी बिना प्रतिस्थानी के तत्काल कार्य मुक्त कर दिया गया। इनमें से अधिकांश बिजली कर्मी किसी स्थानांतरण नीति के अंतर्गत नहीं आते थे किंतु उनका उत्पीड़न करने के लिए उन्हें ट्रांसफर किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

आतंकवादियों ने पुलिस अधिकारी को मौत के घाट उतारा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आतंकवादियों ने अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के करक जिले में शुक्रवार को एक पुलिस अधिकारी को मौत के घाट उतार दिया। इसके अलावा पुलिस ने बन्नू के बस्याखेल इलाके में एक थाने पर देर रात हुए हमले को विफल कर दिया। डान अखबार की खबर के अनुसार, करक के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने पुलिस अधिकारी को दुर्गम पहाड़ी इलाके में गोलियों से भून दिया। इसके बाद पहाड़ों की तरफ भाग गए। यह पुलिस अधिकारी अपने गृहनगर चपई बांदा जा रहा था। सुरक्षा बल के जवानों ने पुलिस अधिकारी की हत्या में शामिल आतंकवादियों की तलाश तेज कर दी है। करक सिटी पुलिस लाइन में इस अधिकारी को अंतिम सलामी दी गई। इसके बाद पार्थिव शरीर को सम्मान के साथ अंतिम संस्कार के लिए चपई बांदा ले जाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार देरात बन्नू जिले के बस्याखेल इलाके में एक थाने पर हुए आतंकवादी हमले को विफल कर दिया। हमलावरों ने स्नाइपर राइफलों और घातक हथियारों का इस्तेमाल किया। यह हमला रात करीब 1¬35 बजे पुलिस स्टेशन पर कब्जा करने के इरादे से किया गया। एक घंटे तक हुई गोलीबारी के बाद हमलावरों को भागने पर मजबूर कर दिया गया। इस घटना के कुछ घंटे बाद बन्नू में आतंकवादियों ने माजंगा इलाके में एक पुलिस चौकी को निशाना बनाने के लिए एक क्वाडकॉप्टर ड्रोन का इस्तेमाल किया। एक क्वाडकॉप्टर से चौकी की इमारत की छत पर गोला-बारूद गिराया गया।

मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होंगे मोदी

माले। मालदीव दौरे के दूसरे दिन शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मालदीव के 60वें स्वतंत्रता समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान भारत और मालदीव के राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने का जश्न भी मनाया जाएगा। दो दिवसीय दौरा पूरा कर प्रधानमंत्री मोदी आज स्वदेश के लिए रवाना होंगे। मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस के साथ यह भारत-मालदीव के राजयनिक संबंधों के भी 60 साल पूरे होने का अवसर भी है। ब्रिटिश शासन से मालदीव को 26 जुलाई 1965 को पूर्ण स्वतंत्रता मिली और सबसे पहले भारत ने राजनयिक संबंध स्थापित किए। इससे पहले शुक्रवार को मोदी ने अपनी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के संबंधों को इतिहास से पुराना और सागर जितना गहरा करार दिया। उन्होंने भारत की तरफ से मालदीव को 4,850 करोड़ रुपये (565 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की ऋण सहायता की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी की मालदीव यात्रा आज पूरी हो जाएगी। दौरे के आखिरी दिन वे 10¬45 बजे से 12¬40 बजे मालदीव के प्रमुख लोगों से मुलाकात करेंगे और 15¬50 बजे से 16¬15 बजे के बीच आईटीईसी के पूर्व छात्रों एवं भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगे। शाम 16¬30 बजे स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लने के बाद 18¬15 बजे वे भारत के लिए प्रस्थान करेंगे।

मध्य पेरू में सड़क दुर्घटना में कम से कम 18 लोगों की मौत

लीमा। मध्य पेरू के जुनिन क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया 'ला रिपब्लिका' के अनुसार यह दुर्घटना शुक्रवार को तब हुई जब एक्सप्रेसो मोलिना लिडर इंटरनेशनल कंपनी की एक डबल-डेकर बस तर्मा प्रांत के ताल्का जिले के पास एक केंद्रीय राजमार्ग पर खाई में गिर गई।

यमनी सेना और हूतियों के बीच संघर्ष में मारे गए 10 सैनिक

अदन, यमन। उत्तरी प्रांत सादा में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हूती मिलिशिया द्वारा किए गए बड़े पैमाने के हमले को नाकाम कर दिया गया है। यमन के सरकार समर्थक बलों ने यह जानकारी दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक बयान में बलों ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने सादा प्रांत के उत्तर में अलेब सैन्य मोर्चे पर हूतियों के ÷बड़े पैमाने के हमले को विफल कर दिया।

अचानक बाढ़ और भूगर्भीय आपदाओं के लिए रेड अलर्ट जारी

लान्झोउ। उत्तर-पश्चिमी चीन के गांसु प्रांत में क्षेत्र के कुछ हिस्सों में जारी भारी बारिश के बीच शनिवार को अचानक बाढ़ और भूगर्भीय आपदाओं के मौसम संबंधी जोखिमों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया। प्रांतीय जल संसाधन विभाग और प्रांतीय मौसम विज्ञान ब्यूरो ने संयुक्त रूप से सुबह 6.10 बजे अचानक बाढ़ के लिए रेड अलर्ट जारी किया, जिसमें पिंगलियांग और किंगयांग के कुछ हिस्सों में अल्पकालिक भारी वर्षा से बढ़ते खतरे का हवाला दिया गया।

आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा : उपेंद्र

एजेंसी

द्रास। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की गई सर्जिकल स्ट्राइक पाकिस्तान को सीधा संदेश था कि आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा। जनरल द्विवेदी ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले का जवाब भी था, जो पूरे देश को गहरा घाव दे गया था। इस बार भारत ने हादसे पर शोक तो व्यक्त किया, साथ ही करारा जवाब भी दिया।

जनरल द्विवेदी ने ये बातें दिल्ली में कारगिल विजय दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा- दुश्मन को जवाब देना अब न्यू नॉर्मल है। कारगिल विजय दिवस के 26 साल पूरे होने पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली के नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचे। उनके साथ तीनों सेना प्रमुख भी मौजूद रहे। राजनाथ ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। 5 मई 1999 को पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल की पहाड़ी चोटियों पर जंग हुई थी। युद्ध करीब 84 दिनों तक चला। 26 जुलाई 1999 को भारत की जीत के साथ

युद्ध आधिकारिक तौर पर खत्म हुआ।

इसमें भारतीय सैनिकों के बलिदान और वीरता को याद करते हुए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। कारगिल विजय दिवस पर, मैं उन वीरों को श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी देश के सम्मान की रक्षा में असाधारण साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। कारगिल युद्ध के दौरान उनका सर्वोच्च बलिदान हमारे सशस्त्र बलों के अटूट संकल्प की चिरस्थायी याद दिलाता है।

भारत उनकी सेवा का सदैव ऋणी रहेगा। कारगिल की लड़ाई की शुरुआत तब हुई, जब पाकिस्तानी सैनिकों ने कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर चुपचाप कब्जा कर अपने ठिकाने बना लिए थे। 8 मई 1999 को कारगिल की आजम चौकी पर पाकिस्तान के करीब 12 जवानों ने कब्जा कर लिया था। शुरुआत में इसे घुसपैठियों द्वारा किया गया हमला बताया गया था, लेकिन बाद में यह साफ हो गया कि इसमें पाकिस्तानी सेना शामिल थी। इन पाकिस्तानी सैनिकों को एक भारतीय चरवाहे ने देख लिया था। इस चरवाहे ने भारतीय सेना के जवानों को पाकिस्तानी सैनिकों के घुसपैठ की सूचना दी। इस तरह भारत को पहली बार घुसपैठ की जानकारी मिली। पहले भारत समझ रहा था कि थोड़े बहुत आतंकियों ने ही कश्मीर की घाटी पर कब्जा किया है, इसलिए भारत ने चंद सैनिकों को ही इन्हें खदेड़ने के लिए भेजा। जब भारतीय सेना पर अलग-अलग चोटियों से जवाबी हमले हुए तब पता चला कि ये एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। तत्काल भारतीय रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने अपना रूस दौरा रद्द कर दिया। इसके बाद ऑपरेशन विजय लॉन्च किया गया। पाक सैनिक ऊंची पहाड़ियों पर बैठे थे, इस वजह से भारतीय सैनिकों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। भारतीय जवानों ने दुश्मन की नजर से बचने के लिए रात में मुश्किल चढ़ाई की। शुरुआत में भारतीय सेना को इसी वजह से खासा नुकसान उठाना पड़ा था।

भारत ने मिग-29 और मिराज-2000 से हमले किए थे

इस युद्ध में वायुसेना और नौसेना की भी बड़ी भूमिका रही। वायुसेना ने मिग-29 और मिराज- 2000 विमानों के जरिए पाक सैनिकों पर बम बरसाए। इस दौरान पाकिस्तान ने हमारे दो लड़ाकू विमान मार गिराए थे, जबकि एक क्रैश हो गया था। नौसेना ने ऑपरेशन तलवार चलाया। इसके तहत कराची समेत कई पाक बंदरगाहों के रास्ते रोक दिए गए, ताकि वह कारगिल युद्ध के लिए जरूरी तेल और ईंधन की सप्लाई न कर सके। साथ ही भारत ने अरब सागर में अपने जहाजी बेड़े को लाकर पाकिस्तान के समुद्री व्यापार रास्ते को भी बंद कर दिया था। इस युद्ध में एक निर्णायक मोड़ तब आया जब भारत ने बोफोर्स तोपों को भी युद्ध मैदान में उतारने का फैसला लिया। आसमान से वायुसेना का हमला और जमीन से बोफोर्स तोप के भारी-भरकम गोलों ने पाकिस्तानी सैनिकों को भागने पर मजबूर कर दिया। करीब 2 महीने तक दोनों देशों के बीच भीषण युद्ध चलता रहा। इस युद्ध में 527 भारतीय जवान शहीद हुए और पाकिस्तान के भी करीब 3000 सैनिक मारे गए। हालांकि, पाकिस्तान केवल 357 सैनिकों के मरने का ही दावा करता है। आखिरकार 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल के आखिरी चोटी पर भी कब्जा कर लिया।

अमेरिका ने सीरिया में आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट के बड़े नेता और उसके दो बेटों को मार गिराया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को सीरिया में छापामार कार्रवाई में आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के एक वरिष्ठ नेता और उसके दो बेटों को मार गिराया। यह जानकारी अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) की विज्ञप्ति में दी गई है। आईएसआईएस को इस्लामिक स्टेट (आईएस), इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवांट (आईएसआईएल), या दायश भी कहा जाता है। यह आतंकी इस्लामी समूह इराक और सीरिया में सक्रिय है।

सीएनएन की खबर के अनुसार, सेंटकॉम की विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईएस के वरिष्ठ नेता धिया जौबा मुस्लीह अल-हरदानी, उसके दो युवा पुत्र अब्दुल्ला धिया अल-हरदानी और अब्द अल-रहमान धिया जौबा अल-हरदानी अमेरिकी और गठबंधन सेनाओं के साथ-साथ नई सीरियाई

सरकार के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। घटनास्थल पर मौजूद तीन बच्चों और तीन महिलाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। सीएनएन के अनुसार, सेंटकॉम ने अपनी विज्ञप्ति में छापे के बारे में इसके अलावा और कोई जानकारी नहीं दी है। सेंटकॉम कमांडर जनरल एरिक कुरिल्ला ने विज्ञप्ति में कहा, ÷हम आईएसआईएस आतंकवादियों का लगातार पीछा करते रहेंगे। वह चाहे आसमान में हों या पाताल में।÷ उल्लेखनीय है कि अमेरिका गठबंधन सेनाओं के साथ लंबे समय से सीरिया और इराक में आईएसआईएस विरोधी अभियान का संचालन कर रहा है। अमेरिकी सेना ने मई में इराक में एक और सीरिया में एक आतंकी को मार गिराया था।

इससे पहले मार्च में अमेरिकी सेना ने इराक में एक सटीक हवाई हमलाकर आतंकवादी समूह के संचालन प्रमुख और प्रतिनिधि समिति के अमीर अब्दुल्ला मक्की मुस्लीह अल-रिफाई और एक अन्य आईएसआईएस आतंकवादी को मार गिराया था। अमेरिका ने अप्रैल में घोषणा की थी कि वह सीरिया से अपनी लगभग आधी सेना वापस बुला रहा है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कहा था कि इसके परिणामस्वरूप सीरिया मेंअमेरिकी सेना के एक हजार से भी कम सैनिक रह जाएंगे। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन हाल ही में हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। यह संगठन कभी सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति के नेतृत्व में सक्रिय था।

टेकऑफ के तुरंत बाद जमीन पर गिरने लगी साउथवेस्ट की फ्लाइट, दो क्रू मेंबर घायल

लास वेगास। अमेरिका में शुक्रवार को एक बड़ा हवाई हादसा टल गया, जब साउथवेस्ट एयरलाइंस की एक फ्लाइट टेकऑफ के कुछ ही मिनट बाद अचानक हवा में नीचे गिरने लगी। फ्लाइट नंबर 1496 कैलिफोर्निया के हॉलीवुड बरबैंक एयरपोर्ट से लास वेगास जा रही थी। इस घटना में दो फ्लाइट अटेंडेंट घायल हो गए हैं और उन्हें इलाज के लिए भेजा गया है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, विमान को हवा में एक अन्य विमान के नजदीक आने की चेतावनी मिली थी।

एफएए ने बताया कि विमान को टक्कर से बचाने के लिए पायलट को पहले विमान को ऊंचाई पर ले जाना पड़ा और फिर अचानक नीचे लाना पड़ा ताकि टक्कर टाली जा सके। एयरलाइन ने बताया कि क्रू को दो बार अलर्ट मिला और उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए ऊंचाई में बदलाव किया। इस दौरान प्लेन में तेज झटका लगा और फ्लाइट अटेंडेंट चोटिल हो गए।

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में धमाका, तीन अधिकारियों की मौत

एजेंसी

लॉस एंजिलिस। अमेरिका में लॉस एंजिलिस काउंटी के ट्रेनिंग सेंटर में 18 जुलाई को हुए धमाके में 3 वरिष्ठ पुलिसकर्मी मारे गए। ये सभी आगजनी और विस्फोटक टीम में थे। शेरिफ रॉबर्ट लूना के मुताबिक, अधिकारी दो ग्रेनेड पर काम कर रहे थे। एक ग्रेनेड फट गया, जबकि दूसरा अब भी गायब है।

लॉस एंजिलिस शेरिफ विभाग और अमेरिकी फायर आर्म्स ब्यूरो मामले की जांच कर रहे हैं। विस्फोट स्थल, दफ्तरों, जिम और सुरक्षा वाहनों की तलाशी ली गई लेकिन दूसरा ग्रेनेड नहीं मिला। आम नागरिकों को इस इलाके तक कोई पहुंच नहीं थी। तीनों मृतक अफसर अनुभवी थे और सुरक्षा बलों की खास यूनिट में थे। गायब ग्रेनेड का ना मिलना एक बड़ा खतरा भी बन सकता है। ईरान से अब तक 7.5 लाख अफगानी वापस लौटे; तालिबान सरकार मुफ्त बस मुहैया करा रही

ईरान से निकाले गए हजारों अफगान प्रवासी अफगानिस्तान लौट रहे हैं। ईरान-अफगानिस्तान के इस्लाम कला बॉर्डर से बीते एक महीने में करीब 7.5 लाख अफगान नागरिक लौट चुके हैं। अफगान सरकार और स्थानीय संस्थाओं ने इन लोगों को मुफ्त ट्रांजिट बस सेवा दी है। इससे वे सीधे अपने प्रांतों तक जा रहे हैं।

कई प्रवासियों ने ईरान की पुलिस और ड्राइवरों पर उनके पैसे और सामान छीनने का आरोप लगाया। कुछ को उनके मकान मालिकों ने कॉन्ट्रैक्ट फाड़कर जबरन निकाल दिया और पुलिस ने उनका साथ दिया। शोएब नाम के युवक ने बताया कि ÷मुझे रियल एस्टेट ऑफिस ले जाकर मेरा रेंट एग्रीमेंट फाड़ दिया गया। पुलिस बोली- तुम गुनहगार हो, क्योंकि तुमने इस देश के साथ धोखा किया है। कई अफगानों ने ईरान के साथ बातचीत की मांग की है ताकि वापसी के किराए में कटौती हो और उनकी संपत्तियां वापस मिलें।

ट्रंप प्रशासन राज्यों को रोकी गई 5.5 अरब डॉलर की शिक्षा निधि जारी करेगा

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने देश में नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने से पहले रोकी गई शिक्षा निधि (संघीय शिक्षा अनुदान) पर बड़ा फैसला लिया है। दोनों दलों के सांसदों के दबाव में प्रशासन ने राज्यों को 5.5 अरब डॉलर की शिक्षा निधि जारी करने की घोषणा की है। इस धनराशि से नई शिक्षकों की भर्ती करने का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके अलावा शिक्षण कार्य में आ रही रुकावटें दूर होंगी।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। अधिकारियों की इस घोषणा के बाद पास्को काउंटी के स्कूल अधीक्षक जॉन लेग ने कहा कि यह फैसला अच्छा है। यह संघीय शिक्षा अनुदान सोमवार तक स्कूलों को प्राप्त होने की उम्मीद है। प्रशासन ने

शुक्रवार को जारी अधिसूचना में कहा कि कोई भी स्कूल इस धनराशि का बेजा उपयोग नहीं करेगा। शिक्षा विभाग किसी भी अस्वीकार्य गतिविधि के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगा। नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने से पहले रोकी गई संघीय शिक्षा निधि की वजह से फ्लोरिडा के कई स्कूलों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम और नई भर्ती रोक दी थी। ट्रंप प्रशासन के इस कदम के खिलाफ 20 से ज्यादा राज्यों ने अदालतों का दरवाजा खटखटाया। इनमें कैलिफोर्निया, कनेक्टिकट, न्यूयॉर्क और इलिनॉय जैसे डेमोक्रेट शासित राज्य शामिल थे। अमेरिका के बजट कार्यालय ने 30 जून को एक सख्त आदेश जारी कर कहा था कि इस अनुदान की समीक्षा के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह अनुदान राज्यों के सामान्य शिक्षा बजट से अलग होता है। अतिरिक्त शिक्षा केंद्र, अंग्रेजी सीखने वाले विद्यार्थियों की मदद करना, वयस्क साक्षरता, शिक्षक प्रशिक्षण और जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहायता उपलब्ध होती है।

जन्मसिद्ध नागरिकता को खत्म करने की कोशिश पर लगी रोक

वाशिंगटन। अमेरिका में एक संघीय अदालत ने शुक्रवार को एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। इसके तहत कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन के उस आदेश को रोक दिया है, जिसके जरिए अमेरिका में अवैध या अस्थायी रूप से रह रहे लोगों के बच्चों को जन्मसिद्ध नागरिकता देने से इनकार किया गया था।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश के जरिए यह नियम लागू करना चाहा था कि अमेरिका में जन्मे ऐसे बच्चों को नागरिकता न दी जाए जिनके माता-पिता अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे हैं या अस्थायी वीजा पर हैं। ट्रंप प्रशासन के इस आदेश के खिलाफ कई राज्यों ने अदालत में चुनौती दी थी। उनका कहना था कि यह आदेश न सिर्फ असंवैधानिक है, बल्कि इससे उन्हें उन बच्चों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य बुनियादी सेवाएं देने में आर्थिक नुकसान भी होगा।

थाईलैंड-कंबोडिया सीमा संघर्ष पर यूएनएस की आपात बैठक

एजेंसी

बैंगकॉक। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हाल ही में भड़के सीमा संघर्ष ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने शनिवार को एक आपात बैठक बुलाई। यह बैठक 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा' विषय के तहत आयोजित की गई। कंबोडिया ने इस बैठक की मांग की थी, जिसके बाद यूएनएससी के सभी 15 सदस्य देशों ने मामले को गंभीरता से लिया।

कंबोडिया ने थाईलैंड पर बिना उकसावे के हमला करने और बौद्ध मंदिरों व सीमाई इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। कंबोडिया का कहना है कि थाई सेना ने जानबूझकर पहले गोलीबारी की और पहले से तय सीमा समझौतों का उल्लंघन किया। दूसरी ओर, थाईलैंड ने भी यूएनएससी को पत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि संघर्ष की शुरुआत

कंबोडिया ने की थी और उसके सैनिकों ने थाई क्षेत्र में गोलीबारी की।

थाईलैंड की स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 1.3 लाख से अधिक लोग संघर्ष प्रभावित इलाकों से सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर चुके हैं। कंबोडिया में भी हजारों लोग घर छोड़ने पर मजबूर हुए हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को वापस बुला लिया है और कई सीमा चौकियों को बंद कर दिया गया है। मलयएशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, जो इस समय आसियान के अध्यक्ष हैं, ने दोनों देशों से बातचीत करने की अपील की है और मध्यस्थता की पेशकश की है। अमेरिका, चीन, जापान और फ्रांस जैसे देशों ने भी दोनों पक्षों से संयम बरतने और कूटनीतिक समाधान अपनाने की मांग की है।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 800 किलोमीटर लंबी सीमा पर दशकों से विवाद चला आ रहा है। विवाद का केंद्र प्राचीन हिंदू मंदिर प्रसात ता मुएन थोम और प्रेह विहेयर हैं। 2011 में भी ऐसे ही एक संघर्ष में 16 लोगों की जान चली गई थी और तब भी हस्ष्ट ने निजी बैठक कर हस्तक्षेप किया था। हाल ही में 16 और 23 जुलाई को थाई सैनिकों के घायल होने और सीमा पर बारूदी सुरंगों के फटने से हालात और बिगड़े हैं। हालांकि कंबोडिया के प्रधानमंत्री ने 24 जुलाई से संघर्षविराम की बात कही थी, लेकिन थाईलैंड ने उसपर अमल से इनकार कर दिया। वर्तमान में दोनों देश कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय निगरानी के बीच हैं। आने वाले दिनों में शांति की दिशा में आसियान की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बेघर लोगों पर नए आदेश को लेकर अमेरिका में सियासी टकराव

ट्रंप के फैसले पर डेमोक्रेट्स ने जताई कड़ी आपत्ति

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका में बेघर लोगों की बढ़ती समस्या पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा कार्यकारी आदेश ने नई बहस छेड़ दी है। ट्रंप ने हाल ही में एक ऐसा आदेश जारी किया है जिसमें बेघर लोगों को सड़कों से हटाकर मानसिक इलाज या नशामुक्ति केंद्रों में भेजे जाने की बात कही गई है। वह भी बिना उनकी सहमति के। इस आदेश का डेमोक्रेटिक नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तीखा विरोध किया है।

उनका मानना है कि यह आदेश अमानवीय है और इससे समस्या का हल नहीं निकलेगा। अपने आदेश में ट्रंप ने कहा कि खुलेआम नशाखोरी और सड़कों पर कैंपिंग करने वाले बेघर लोगों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है ताकि आम नागरिक खुद को

सुरक्षित महसूस कर सकें। उन्होंने कहा कि इन लोगों को लंबे समय तक संस्थागत देखरेख में रखना ही सार्वजनिक व्यवस्था बहाल करने का सबसे साबित तरीका है। ट्रंप का ये आदेश उन शहरों के लिए निर्देश है जो सड़कों पर सख्ती बरतने के लिए तत्पर हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप का यह आदेश मुख्य रूप से न्यूयॉर्क, लॉस एंजेलेस और सैन फ्रांसिस्को जैसे शहरों को निशाना बनाता है जहां डेमोक्रेटिक पार्टियों की सरकारें हैं। हालांकि, इन राज्यों में पहले से ही बेघर लोगों को पुनर्वास केंद्रों में भेजने की योजनाएं चल रही हैं। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने सड़कों से बेघरों को हटाने और नशा व मानसिक इलाज के लिए संसाधन जुटाने में वर्षों लगाए हैं।

ये आदेश अस्पष्ट और दंडात्मक- विपक्ष

बेघरों के अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों ने ट्रंप के आदेश को अस्पष्ट और सजा देने वाला बताया है। नेशनल अलायंस टू एंड होमलेसनेस के अधिकारी स्टीव बर्ग ने कहा कि अमेरिका ने दशकों पहले जबरन संस्थागत इलाज की नीति को छोड़ दिया था क्योंकि यह खर्चीली, नैतिक और कानूनी रूप से गलत थी। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे आदेश से बेघर लोगों को जबरन बंदी बनाया जा सकता है। लॉस एंजिलिस की मेयर करेन बैस ने साफ किया कि वे सड़कों पर बेघरों को जबरन हटाने की बजाय उनके साथ संवाद कर आश्रय में भेजने की नीति पर चल रही हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को एक गली से दूसरी गली या जेल भेजना और फिर वापस छोड़ देना, समस्या का हल नहीं है। वहीं, सैन फ्रांसिस्को के मेयर डेनियल लुरी ने भी सार्वजनिक स्थानों पर सफाई और व्यवस्था को बनाए रखने के पक्ष में सख्त कदम उठाए हैं। गवर्नर न्यूसम के दफ्तर ने कहा कि ट्रंप का आदेश बेघर लोगों के बारे में गलत धारणाओं को बढ़ावा देता है और केवल राजनीतिक स्कोर सेटल करने के लिए लाया गया है। ट्रंप के आदेश के पीछे कुछ दक्षिणपंथी नीति समूह जैसे सिसेरो इंस्टीट्यूट ने समर्थन जताया है और कहा है कि इससे स्थानीय सरकारों को सख्त कदम उठाने की ताकत मिलेगी। इस पूरे विवाद से साफ है कि ट्रंप का कार्यकारी आदेश अमेरिका में बेघर लोगों की समस्या का समाधान नहीं, बल्कि एक नई सियासी खाई बनता जा रहा है। जहां एक पक्ष इसे %सख्ती से मदद का तरीका मानता है, वहीं दूसरा पक्ष इसे मानवाधिकारों पर हमला बता रहा है। फिलहाल, इसका असर अमेरिकी समाज और चुनावी राजनीति पर भी गहराता नजर आ रहा है।

मालदीव 150 साल में बौद्ध से इस्लामी देश बना 2500 साल पुराना इतिहास, 1200 द्वीपों पर फैला

एजेंसी

माले। भारत के दक्षिण में हिंद महासागर में स्थित मालदीव साउथ एशिया का सबसे छोटा देश है। 1200 द्वीपों में फैले इस देश का क्षेत्रफल 298 वर्ग किलोमीटर है, जो दिल्ली से भी पांच गुना कम है। पीएम मोदी आज दो दिन के दौरे पर मालदीव पहुंचे हैं। इस देश का इतिहास लगभग 2500 साल पुराना है। 5 लाख की आबादी वाले मालदीव में 98 प्रतिशत लोग मुस्लिम हैं, लेकिन लगभग 900 साल पहले यह बौद्ध और उससे पहले हिंदू धर्म का प्रमुख केंद्र था।

12 सदी में इस देश के राजा ने इस्लाम धर्म अपना लिया था, जिसके बाद 150 सालों में यह पूरी तरह मुस्लिम देश बन गया। वैज्ञानिक रिपोर्ट्स के मुताबिक जलवायु परिवर्तन की वजह से 25 साल में मालदीव का 80 प्रतिशत हिस्सा डूब सकता है।

करीब ढाई हजार साल पहले मालदीव में पहली बार लोगों ने बसना शुरू किया। कुछ ऐतिहासिक कहानियां बताती हैं कि मालदीव में प्राचीन राजतंत्र की नींव भारत के उड़ीसा (प्राचीन काल में कलिंग) के राजा ब्रह्मदित्य के पुत्र, बौद्ध राजा श्री सूरुदासरुण आदित्य ने रखी थी। ऐसा माना जाता है कि उन्हीं के शासनकाल में बौद्ध धर्म मालदीव पहुंचा। इतिहासकारों का मानना है कि बौद्ध धर्म 1000 सालों से ज्यादा समय तक मालदीव का प्रमुख धर्म रहा। इस दौरान मालदीव की संस्कृति, भाषा और प्राचीन धिवेही लिपि का विकास हुआ। मालदीव में कई द्वीपों पर आज भी बौद्ध मठों और संरचनाओं के अवशेष मौजूद हैं। इन्हें लोकल भाषा में हवित्ता या उस्तुबु कहा जाता है। मालदीव के थोड्डू द्वीप पर यह बुद्ध प्रतिमा 800 साल तक जमीन के नीचे दबी रही थी। इसे 1959 में खोजा गया था। मालदीव के थोड्डू द्वीप पर यह बुद्ध प्रतिमा 800 साल तक जमीन के नीचे दबी रही थी।

संक्षिप्त खबरें

सेवानिवृत पत्रकारों को अब 15 हजार रुपये पेंशन

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार ताबड़तोड़ फैसले लेकर विपक्ष की हर चाल को पलट रहे हैं। शनिवार को उन्होंने पत्रकारों की पेंशन राशि 6 हजार से बढ़ाकर 15 हजार करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के पत्रकारों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत दी जाने वाली पेंशन राशि में भारी बढ़ोतरी की है। अब राज्य के सेवानिवृत पत्रकारों को पहले मिलने वाली 6,000 मासिक की जगह 15,000 प्रतिमाह की सम्मान पेंशन मिलेगी। इस बारे में उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा- बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत अब सभी पात्र पत्रकारों को हर महीने 6 हजार रूपये की जगह 15 हजार रूपये पेंशन की राशि प्रदान करने का विभाग को निर्देश दिया गया है। बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन प्राप्त कर रहे पत्रकारों की मृत्यु होने की स्थिति में उनके आश्रित पति/पत्नी को जीवनपर्यन्त प्रतिमाह 3 हजार रूपये की जगह 10 हजार रूपये की पेंशन राशि दिए जाने का निर्देश दिया गया है।

अग्रसेन कॉलेज के विद्यार्थियों को पढ़ाया पर्यावरण संरक्षण का पाठ

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में स्थित श्री अग्रसेन महाजनी महाविद्यालय इंटर कॉलेज, चौखम्भा में शनिवार को नमामि गंगे की ओर से आयोजित पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को पर्यावरण संरक्षण का पाठ पढ़ाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जल संरक्षण, गंगा स्वच्छता, सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभाव और अधिकतम पौधारोपण जैसे विषयों पर शिक्षाप्रद जानकारी दी गई । नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने विद्यार्थियों से वैश्विक समस्या ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण प्रदूषण, स्वच्छता , पौधारोपण और जल संरक्षण की आवश्यकता को लेकर चर्चा की। गंगा को स्वच्छ रखने और सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने के लिए छात्रों को जागरूक किया। इस दौरान विद्यालय प्रांगण में औषधीय व पर्यावरणीय महत्व के पौधों का सामूहिक रूप से रोपण एवं वितरण किया गया। राजेश शुक्ला ने अपील किया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जल का सीमित मात्रा में उपयोग करें । पॉलीथिन की जगह कपड़े के थैले का प्रयोग करें। अपने घरों के आस-पास स्वच्छता बनाए रखें और पेड़-पौधे लगाकर उनका परिवार के सदस्य की तरह पालन-पोषण करें। हर छात्र एक-एक पेड़ लगाकर भी उसका पालन करे तो लाखों पेड़ लगाए जा सकते हैं। अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ देवेंद्र प्रताप सिंह ,उप प्रधानाचार्य राम कुमार गुप्ता, सारिका गुप्ता,विमल त्रिपाठी, विद्यालय के शिक्षक भी उपस्थित रहे।

सीएम व नेता प्रतिपक्ष ने वीर शहीदों को किया नमन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को नमन किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को लिखा कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश की संप्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करने वाले वीर जांबाजों और उनके परिवारजनों को नमन करता हूं। कारगिल विजय दिवस की सभी को शुभकामनाएं और जोहार। वहीं, बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि देश के जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और बलिदान के प्रतीक कारगिल विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर सैनिकों के प्रति देश सदैव कृतज्ञ रहेगा।

शेरगढ़ यमुना पुल बंद होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त

औरैया। औरैया-जालौन को जोड़ने वाला शेरगढ़ यमुना पुल अचानक बंद होने से दोनों जिलों के हजारों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भारी असर पड़ा है। इस पुल के बंद हो जाने से स्कूली छात्र-छात्राएं, मरीज, किसान, व्यापारी और नौकरीपेशा लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शेरगढ़ घाट पर स्थित यह पुल औरैया व जालौन जिलों की सीमाओं को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जो आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों के लिए जीवनरेखा की तरह था। अब पुल के पूरी तरह बंद हो जाने से लोगों को वैकल्पिक रास्तों से 20 से 80 किलोमीटर तक का अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। इस स्थिति ने न सिर्फ आमजन के समय और धन की बर्बादी बढ़ाई है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उन्हें जरूरी सुविधाएं जैसे बाजार, अस्पताल और तहसील तक पहुंचने में घंटों अधिक समय लग रहा है।

राजस्थान में फिर सक्रिय हुआ मानसून, भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है। बंगाल की खाड़ी में बने नए वेदर सिस्टम के असर से राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में शुक्रवार देर रात से बारिश का दौर शुरू हो गया। मौसम विभाग ने शनिवार को नौ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। कुछ जिलों में मेघगर्जन और वज्रपात के साथ अति भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि उत्तरी बंगाल की खाड़ी में बना वेलमार्क लो-प्रेशर सिस्टम अब डिप्रेशन में तब्दील हो चुका है। इसके प्रभाव से राजस्थान के पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में अगले तीन दिनों तक भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। शनिवार को बारां, कोटा और झालावाड़ जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां मेघगर्जन, वज्रपात और अति भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ और सवाईमाधोपुर में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। वेदर

सिस्टम के प्रभाव से जयपुर, अजमेर, दौसा, अलवर सहित कई जिलों में शुक्रवार रात से बारिश जारी है।

जयपुर के चाकसू में बीते 24 घंटे में 25 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। अजमेर में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए शनिवार को स्कूलों की छुट्ट् टी की गई है। जयपुर में शुक्रवार देर रात शुरु हुई बारिश शनिवार सुबह भी रुक रुक कर जारी रही। बारिश के कारण जयपुर के कई इलाकों में जलभराव हो गया है। उधर, सवाई माधोपुर के बौंली क्षेत्र में रील बनाते समय 19 वर्षीय युवक चंदू बनास नदी में गिर गया, जिसकी तलाश में एसडीआरएफ की टीम लगी हुई है। धौलपुर में बारिश के चलते ऐतिहासिक शेरगढ़ किले की दीवार ढह गई। भरतपुर के नगला छत्री गांव में खदान में ट्रैक्टर-ट्रॉली गिरने से ड्राइवर की मौत हो गई। मौसम विभाग के अनुसार 27 से 29 जुलाई के बीच कोटा और उदयपुर संभाग के कई जिलों में अति भारी बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी राजस्थान के हिस्सों में भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि डिप्रेशन सिस्टम अब ओडिशा और झारखंड से आगे बढ़ चुका है और इसका असर मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और राजस्थान पर पड़ रहा है। आगामी तीन दिन प्रदेश के कई इलाकों में झमाझम बारिश देखने को मिल सकती है।

पूर्वी यूपी के सात से अधिक जिलों में भारी वर्षा की संभावना

प्रयागराज। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आगामी चौबीस घंटे के मध्य पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी सहित अन्य जनपदों में तेज हवाओं के साथ भारी वर्षा की संभावना है। वहीं दूसरी ओर प्रयागराज समेत 14 जिलों भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है। इसी के साथ कहीं—कहीं आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग एवं उत्तर प्रदेश मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी अलर्ट के मुताबिक पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणासी,गाजीपुर, बलिया, सोनभद्र, मिर्जापुर, चन्दौली सहित आस—पास के जिलों में आगामी चौबीस घंटे के मध्य 30 से 40 किलोमीटर की प्रति घंटा की गति से चलने वाली हवाओं के साथ अचानक भारी वर्षा की संभावना है।

मेघगर्जन के साथ इन जिलों में आकाशी बिजली की भी आशंका

उत्तर प्रदेश के बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज,फतेहपुर,प्रतापगढ़,सोनभद्र, चंदौली,वाराणसी,संत रविदास नगर,जौनपुर,गाजीपुर,आजमगढ़,मऊ,बलिया, देवरिया,गोरखपुर, संत कबीर नगर,बस्ती, कुशीनगर,महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच, सीतापुर,हरदोई, फर्रूखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा,औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा,झांसी,ललितपुर एवं आस—पास के जिलों में मेघगर्जन एवं आकाशीय बिजली गिरने के आसार है।

आगामी दो दिनों के मध्य भारी वर्षा की संभावना

उप्र के बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज,फतेहपुर, प्रतापगढ़,सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी,संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, बलिया, लखीमपुर खीरी, फर्रूखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा,औरैया, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी,ललितपुर एवं आस—पास जिलों में मेघगर्जन के साथ आकाशी बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

रोहडू में पब्बर नदी में गिरी कार एक लापता, एक गंभीर घायल

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जिला शिमला के रोहडू उपमंडल में शुक्रवार देर रात एक कार हादसे का शिकार हो गई। यहां बढ़ियारा पुल के पास एक इग्निस कार (॥क्क 52श्च 4006) अनियंत्रित होकर पब्बर नदी में जा गिरी। हादसे के समय कार में दो युवक सवार थे। इनमें से एक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जबकि दूसरा व्यक्ति अब तक लापता है।

मिली जानकारी के मुताबिक कार में सवार हितेंद्र पुत्र मिचर सैन, गांव दिसवानी डाकघर कालोटी, तहसील चढ़गांव और संजीव कुमार, गांव घरशाल, डाकघर देवीदार, तहसील चढ़गांव शामिल थे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायल हितेंद्र को पहले रोहडू अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए तुरंत शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) रेफर कर दिया गया है। वहीं दूसरे युवक संजीव कुमार की तलाश नदी में जारी है। लापता युवक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और पुलिस व स्थानीय गोताखोरों की टीम पब्बर नदी में सर्च ऑपरेशन चला रही है। हादसे के सटीक कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार अचानक अनियंत्रित होकर नदी में गिरी है। घटनास्थल पर रोहडू पुलिस के अधिकारी और राहत दल मौजूद हैं। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने भी नदी के आसपास के क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया है और स्थानीय लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की आपदा या दुर्घटना की सूचना तुरंत पुलिस या प्रशासन को दें, ताकि समय रहते राहत कार्य किया जा सके। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश में बारिश के मौसम में इस तरह की दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है।

अहमदाबाद में पुनर्विकसित बाल वाटिका का मुख्यमंत्री ने लोकार्पण किया

गांधीनगर। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद महानगर पालिका की ओर से दक्षिण जोन के कांकरिया लेक फ्रंट परिसर में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर 22 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित की गई बाल वाटिका का बीती रात लोकार्पण किया। अहमदाबाद महानगर पालिका के प्राणी उद्यान विभाग के अधीन आने वाली बाल वाटिका का उद्घाटन 1956 में किया गया था। बाल वाटिका में मौजूदा समय के अनुसार बच्चों का शारीरिक और बौद्धिक विकास सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां तैयार की गई हैं। बाल वाटिका को पीपीपी के आधार पर पुनर्विकसित, आधुनिकीकरण और उन्नयन किया गया है। बाल वाटिका में विभिन्न गतिविधियों को इस प्रकार तैयार किया गया है जिससे कि मौजूदा समय के अनुसार बच्चों का शारीरिक और बौद्धिक विकास सुनिश्चित हो सके। इसके लिए बाल वाटिका का पीपीपी के आधार पर पुनर्विकास, आधुनिकीकरण और उन्नयन किया गया है।

कन्नड़ भाषा का ऐतिहासिक विकास, शिलालेख से डिजिटल युग तक

एजेंसी

बेंगलुरु। हाल ही में हुए भाषाई विवादों की पृष्ठभूमि में, कन्नड़ भाषा के समृद्ध इतिहास पर एक बार फिर विचार करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। लगभग दो हजार वर्षों की साहित्यिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विरासत वाली यह द्रविड़ भाषा आज 5 करोड़ से अधिक लोगों की मातृभाषा है। आज, कन्नड़ न केवल कर्नाटक में, बल्कि पड़ोसी राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल और कुछ हद तक गोवा में भी बोली जाती है।

वास्तव में कन्नड़ भाषा का लिखित इतिहास 5वीं शताब्दी ईस्वी में मिलता है। कर्नाटक के हसन जिले के हल्मिदी गांव में प्राप्त शिलालेख को कन्नड़ की पहली लिखित अभिव्यक्ति माना जाता है। इसी काल में प्राकृत के प्रभाव से मुक्त होकर कन्नड़ एक प्रशासनिक भाषा के रूप में उभरी।इसके उपरांत 10वीं शताब्दी में राष्ट्रकूट और चालुक्य राजवंशों के काल में कन्नड़ साहित्य ने उल्लेखनीय प्रगति की। पम्प के आदिपुराण और विक्रमार्जुन विजय, रन्न के शंभूपरिणय और पोंन के शांतिपुराण

जैसे काव्यग्रंथों ने साहित्य में नई चेतना लाई। इन तीन कवियों को कन्नड़ के रत्नत्रय के रूप में सम्मानित किया गया है।

कन्नड़ भाषा को 12वीं शताब्दी में बसवन्ना, अक्का महादेवी और अल्लमा प्रभु जैसे संत कवियों ने वचन साहित्य के माध्यम से आध्यात्मिकता और सामाजिक न्याय को एक नई दिशा दी। इस काल में कन्नड़ भाषा ने आमजन के जीवन से गहरे जुड़ाव पाया। विजयनगर से मैसूर तक संघर्ष और पुनरुत्थान विजयनगर साम्राज्य के दौरान कन्नड़ को क्षेत्रीय भाषाओं की प्रतिस्पर्धा में अपनी जगह बनाए रखने में कठिनाई हुई, परंतु लोक साहित्य, कथाएं और यक्षगान के माध्यम से भाषा जीवित रही। मैसूर के वोडेयार राजाओं, विशेषकर चिक्कदेवराजा वोडेयार के संरक्षण में साहित्यिक पुनर्जागरण हुआ। ब्रिटिश शासनकाल में कन्नड़ शिक्षा, गद्य लेखन और पत्रकारिता के क्षेत्र में नई राहें खुलीं। बी.एम. श्रीकंठैया, कुवेंपू और डी.आर. बेंद्रे जैसे कवियों ने काव्यभाषा को आधुनिक रूप प्रदान किया। कुवेंपू ने विशेष रूप से कन्नड़ साहित्य को एक नव्य रूप दिया। 2008 में भारत सरकार ने कन्नड़ को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान किया, जो इसकी प्राचीनता, साहित्यिक विशिष्टता और सांस्कृतिक महत्त्व का प्रमाण है।

आज के डिजिटल युग में कन्नड़ भाषा सोशल मीडिया, फिल्म, नाटक, विज्ञान और तकनीक के माध्यम से नई ऊर्जा से आगे बढ़ रही है। भाषा प्रेमी आंदोलन और राज्य स्तर की नीतियां कन्नड़ के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कन्नड़ की यात्रा शिलालेखों की कठोरता से लेकर डिजिटल मंच की गति तक फैली है। इसकी शास्त्रीय गरिमा और जनसांस्कृतिक जुड़ाव ने इसे आज भी एक सजीव और सशक्त भाषा बनाए रखा है।

दमोह : पेपर लेस निर्वाचन निशा कुर्मी 434 मतों से निर्वाचित

दमोह। मध्यप्रदेश के दमोह जिले के अंतर्गत आने वाले हटा जनपद पंचायत के गैसाबाद वार्ड क्रमांक 16 के रिक्त पद की पूर्ति के लिये सम्पन्न हुये निर्वाचन में निशा कुर्मी ने जीत दर्ज करायी है। उन्होने अपने प्रतिद्वन्दी धीरेन्द्र उपाध्याय को 434 मतों से पराजित किया। ज्ञात हो कि यह चुनाव पेपर लेस सम्पन्न कराया गया था। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन द्वारा लिये गये निर्णय में जनपद पंचायत सदस्य के लिये पेपर लेस निर्वाचन में यह प्रदेश का प्रथम निर्वाचन था। इसमें इंटरनेट की जरूरत नहीं रही साफटवेयर की विंडोज पर आधारित निर्वाचन प्रक्रिया थी। क्षेत्र में 09 मतदान केन्द्रों पर मतदान की प्रक्रिया सम्पन्न करायी गयी जिसमें तीन ग्राम सम्मिलित हैं। गैसाबाद,गरेंह एवं बलेह में 5 हजार 621 मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करना था। निर्वाचन की प्रक्रिया में 60.17 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसमें पुरूष मतदाता 62.44 प्रतिशत और महिला मतदाता 57.71 प्रतिशत रहा।

छत्तीसगढ़ व केरल में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, कई इलाकों में जलभराव और पेड़ उखड़े

एजेंसी

नई दिल्ली । देश के कई हिस्सों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है, लेकिन इसके साथ ही आम लोगों की परेशानियां भी बढ़ गई हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर और केरल के मलप्पुरम जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। जहां रायपुर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है, वहीं मलप्पुरम में तेज हवाओं और बारिश के कारण कई पेड़ उखड़ गए हैं। इन दोनों जगहों पर प्रशासन अलर्ट पर है और राहत कार्यों में जुटा हुआ है।

रायपुर में बीते 24 घंटों से हो रही भारी बारिश के चलते शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया है। मुख्य सड़कों, कॉलोनियों और बाजारों में घुटनों तक पानी जमा हो गया है। इससे लोगों को घर से निकलना मुश्किल हो गया है। जलभराव के कारण ट्रैफिक व्यवस्था भी चरमरा गई है और कई जगहों पर जाम

की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन ने जलनिकासी की व्यवस्था तेज कर दी है, लेकिन लगातार बारिश के कारण हालात सामान्य होने में समय लग सकता है। रायपुर प्रशासन ने स्कूल और कॉलेजों को अस्थायी रूप से बंद रखने का निर्देश दिया है। लोगों से अपील की गई है कि वे बेवजह घर से बाहर न निकलें और सुरक्षित स्थानों पर ही रहें। नगर निगम के कर्मचारी जलभराव वाले इलाकों में पंप लगाकर पानी निकालने का काम कर रहे हैं। साथ ही कंट्रोल रूम को भी सक्रिय कर दिया गया है, जहां नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। केरल के मलप्पुरम जिले में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। इस कारण कई इलाकों में पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। गिरते पेड़ों से कई सड़कें जाम हो गई हैं और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कुछ स्थानों पर बिजली के खंभे भी टूट गए, जिससे बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। बारिश के कारण कई घरों में पानी घुस गया है, जिससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी। मलप्पुरम के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। लगातार बारिश और हवाओं के कारण मोबाइल नेटवर्क भी बाधित हुआ है, जिससे लोगों को आपस में संपर्क करने में मुश्किल हो रही है।

महेशतला में दिल दहला देने वाली घटना, बेटे पर मां को जिंदा जलाने का आरोप

दक्षिण । दक्षिण 24 परगना जिले के महेशतला में एक वृद्ध महिला को कथित रूप से जिंदा जलाकर मार देने की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान बिजली घोष (80) के रूप में हुई है। पुलिस ने इस घटना को अंजाम देने के आरोप में उनके बेटे संजय घोष (50) को गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बिजली देवी अपने बेटे संजय के साथ अकेले ही रहती थीं। उनके पति मृत्युंजय घोष का निधन कई साल पहले हो चुका था। संजय मानसिक रूप से अस्थिर है। पड़ोसियों का कहना है कि वह पहले भी कई बार अपनी मां पर अत्याचार कर चुका था। कुछ समय पहले उसने बिजली देवी के सिर पर गंभीर चोट भी पहुंचाई थी। कई बार पुलिस ने आकर संजय को चेतावनी दी थी, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया। शुक्रवार को पूरे दिन बारिश होती रही।

राजस्थान के स्कूल हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों के परिजनों को 10 लाख की आर्थिक मदद, संविदा पर नौकरी

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के दांगीपुरा थाना क्षेत्र स्थित पीपलोदी गांव में शुक्रवार को हुए स्- कूल हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों के लिए राज्- य सरकार की ओर से 10-10 लाख रूपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की गई है। ऐसे परिजनों को संविदा पर नौकरी भी दी जाएगी। हादसे में 7 बच्चों की मौत हो गई थी, जबकि 21 बच्चे घायल हो गए थे। जान गंवाने वाले बच्चों का शनिवार को अंतिम संस्कार किया गया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस हृदयविदारक दुर्घटना के पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। मृतक विद्यार्थियों के परिजनों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, साथ ही एक परिजन को संविदा के

आधार पर रोजगार देने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित नए विद्यालय भवन में बनने वाले कक्षों का नाम दिवंगत विद्यार्थियों के नाम पर रखा जाएगा। उन्- होंने बताया कि पीपलोदी गांव में एक करोड़ रुपये की लागत से भव्य स्कूल बनाने का निर्णय लिया गया है।
इधर, शनिवार सुबह पीपलोदी और चांदपुरा भीलान गांव के तीन श्मशान में सात बच्चों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। दोनों गांवों में मातम पसरा हुआ है। पिपलोदी गांव में बच्चों की एक साथ शवयात्रा निकली। भाई-बहन (कान्हा और मीना) का शव एक ही अर्थी पर ले जाया गया। झालावाड़ जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ भी शनिवार सुबह पिपलोदी गांव पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों और बच्चों से बात की। शिक्षा विभाग की ओर से जारी सूची के अनुसार मृतकों की शिनाख्त कान्हा (7) पुत्र छोटूलाल, कुंदन(10) पुत्र बीरम, हरीश(11) पुत्र बाबूलाल, प्रियंका(12) पुत्री मांगीलाल,पायल (13) पुत्री लक्ष्मण, मीना(10) पुत्री छोटूलाल और कार्तिक(8) पुत्र हरकचंद के रुप में हुई। वहीं हादसे घायल बच्चों की उम्र 6 से 13 वर्ष के बीच है।

राज्यपाल ने अपराजिता विधेयक ममता सरकार को वापस भेजा

एजेंसी

कोलकाता। अपराजिता बिल को 6 सितंबर 2024 को राज्यपाल ने राष्ट्रपति के पास भेजा था, हालांकि तभी गवर्नर बोस ने बिल में कई खामियों की बात कही थी।

पश्चिम बंगाल के गवर्नर आनंद बोस ने ममता बनर्जी सरकार द्वारा लाए गए अपराजिता बिल को राज्य सरकार को लौटा दिया है। राजभवन के सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ने इस बिल पर गंभीर आपत्ति जताई है। केंद्र का कहना है कि यह बिल भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं में बदलाव करता है और इसमें दुष्कर्म जैसे अपराधों में बहुत सख्त सजा का प्रावधान है। इस बिल को 6 सितंबर 2024 को राज्यपाल ने राष्ट्रपति के पास भेजा था, हालांकि तभी गवर्नर बोस ने बिल में कई खामियों की बात कही थी। दरअसल, 9 अगस्त 2024 को कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के बाद

राज्य सरकार पर महिला सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे थे। ममता सरकार ने 3 सितंबर 2024 को पश्चिम बंगाल विधानसभा में एंटी-रेप बिल पेश किया था। इसके तहत पुलिस को रेप केस की 21 दिन में जांच पूरी करनी होगी।

रेप के मामलों में सीधी फांसी या उम्र कैद।

बिल में 12 और 16 साल की पीड़ित बच्चियों में फर्क करने वाला कानून हटाने का प्रस्ताव। अगर पीड़िता की मौत हो जाए या कोमा में चली जाए, तो अनिवार्य फांसी की सजा का प्रावधान।

बिल से जुड़े 10 सवाल-जवाब...

1. बिल का नाम क्या है और इसका मकसद?

जवाब : बंगाल सरकार ने बिल को अपराजिता वुमन एंड चाइल्ड बिल 2024 नाम दिया है। इसका मकसद वेस्ट बंगाल क्रिमिनल लॉ एंड अमेंडमेंट बिल में बदलाव कर रेप और यौन शोषण के मामलों में महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा बढ़ाना है।

2. दोषी को फांसी की सजा कब होगी?

जवाब : अगर रेप के बाद विक्टिम की मौत हो जाती है या फिर वो कोमा में चली जाती है, तो इस स्थिति में रेप के दोषी को फांसी की सजा दी जाए।

3. रेपिस्ट को उम्रकैद दी गई तो जेल की अवधि क्या होगी? जवाब- बिल में कहा गया है कि रेप-गैंग रेप के दोषी को उम्रकैद की सजा दी जाए। इसमें उसे सारी उम्र जेल में रखा जाए। इस दौरान उसे पैरोल भी ना दी जाए। मौजूदा कानून के तहत उम्रकैद की कम से कम सजा 14 साल है। उम्र कैद की सजा सुनाए जाने के बाद सजा माफी हो सकती है, पैरोल दी जा सकती है। सजा कम भी की जा सकती है, लेकिन जेल में 14 साल बिताने होंगे।

4. बिल में किन-किन धाराओं में बदलाव किया गया है?

जवाब : बिल ड्राफ्ट में भारतीय न्याय संहिता के सेक्शन 64, 66, 70(1), 71, 72(1), 73, 124(1) और 124 (2) में बदलाव का प्रस्ताव है। इसमें मुख्य तौर पर रेप की सजा, रेप और मर्डर, गैंगरेप, लगातार अपराध करना, पीड़ित की पहचान उजागर, एसिड अटैक के मामले शामिल हैं। इसमें सेक्शन 65(1), 65 (2) और 70 (2) को हटाने का प्रस्ताव है। इसमें 12, 16 और 18 साल से कम उम्र के दोषियों को सजा दी जाती है।

5. रेप-मर्डर और गैंगरेप की जांच पर बिल में क्या है?

जवाब : ड्राफ्ट बिल के मुताबिक, रेप के मामलों में जांच 21 दिन के भीतर पूरी कर ली जानी चाहिए। इस जांच को 15 दिन बढ़ाया जा सकता है, लेकिन यह सुपरिनटैंडैंट ऑफ पुलिस और इसके बराबर की रैंक वाले अधिकारी ही करेंगे, इससे पहले उन्हें लिखित में इसका कारण केस डायरी में बताना होगा।

6. आदतन अपराधियों के लिए कोई प्रावधान है?

जवाब : ऐसे अपराधियों के लिए भी उम्र कैद की सजा का प्रावधान बिल में है। इसमें दोषी को अपनी आयु पूरी करने तक जेल में रहना होगा। साथ ही जुर्माना भी लगाया जाएगा।

7. क्या रेप और मर्डर के मामलों के लिए स्पेशल टीम बनेगी?

जवाब : ड्राफ्ट बिल के मुताबिक, जिला स्तर पर स्पेशल टास्क फोर्स बनाने का प्रस्ताव है, जिसका नाम अपराजिता टास्क फोर्स होगा। इसकी अगुआई डीएसपी करेंगे।

राहुल गांधी के आरोपों को सिद्धारमैया का समर्थन, बोले- चुनाव आयोग केंद्र के इशारे पर कर रहा है काम

एजेंसी

नई दिल्ली । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर बड़े पैमाने पर चुनावी गड़बड़ियों और वोटर लिस्ट में हेराफेरी का आरोप लगाया था। सिद्धारमैया ने साफ कहा कि यह सब सच है और देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं खतरे में हैं। उन्होंने चुनाव आयोग को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वह अब स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर रहा है।
मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दिए इंटरव्यू में कहा कि भाजपा की सरकार वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कर रही है। उन्होंने कहा कि असली वोटरों का नाम हटाया जा रहा है और फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक जैसे राज्यों में इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं और अब बिहार में भी इसकी

साजिश की जा रही है। उन्होंने इसे एक सुनियोजित राष्ट्रीय स्तर की योजना बताया।
चुनाव आयोग को लेकर सीएम ने गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह अब स्वतंत्र संवैधानिक संस्था नहीं रही। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के इशारों पर काम कर रहा है, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष और स्वतंत्र होना चाहिए, लेकिन अब वह ऐसा नहीं है। फर्जी वोट बनाए गए डीके शिवकुमार ने कर्नाटक में मतदाता सूची में अनियमितताओं पर राहुल गांधी के दावे का समर्थन किया।
कांग्रेस चलाएगी देशव्यापी अभियान
सिद्धारमैया ने एलान किया कि कांग्रेस अब देशभर में एक अभियान चलाएगी, जिसमें इन कथित चुनावी गड़बड़ियों को उजागर किया जाएगा और चुनाव प्रणाली में सुधार की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र खतरे में है और इसे बचाने के लिए हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान का उद्देश्य समाज में समानता लाना है, लेकिन आज भी कई लोग इससे वंचित हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक में वोटर लिस्ट में हेरफेर के आरोपों को डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में कई बूथों पर फर्जी वोट पाए गए हैं और दस्तावेजों के बिना वोट स्थानांतरित किए गए। कांग्रेस इस मुद्दे को जनता और चुनाव आयोग के सामने लाएगी।

खुलासा : बड़े शहरों को पछाड़ छोटे शहर बने बेवफाई के नए अड्डे

एशले मैडिसन के सर्वे के मुताबिक, भारत में अब छोटे शहर और गांव भी बेवफाई के मामले में बड़े शहरों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि तमिलनाडु का कांचीपुरम, जिसकी आबादी महज दो लाख है, भारत में बेवफाई की राजधानी बनकर उभरा है, जबकि दिल्ली दूसरे और गुरुग्राम तीसरे स्थान पर हैं।

शादी में धोखा देना अब बड़े शहर वाला ट्रेंड नहीं रहा, छोटे शहर और गांव के लोग भी अब धोखेबाजी के इस खेल में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। गांव की शादियों में भी अब एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का तड़का लग चुका है। ये कोई बनी बनाई बात नहीं है, शादीशुदा लोगों के लिए बने एक खास डेटिंग ऐप %एशले मैडिसन% के हाल ही के सर्वे ने खुलासा किया है कि अब छोटे शहरों और गांवों के लोग अपने साथी को धोखा देने में बड़े

शहरों के लोगों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। हालांकि, कड़ी टक्कर के बावजूद भी शहर के लोग भी इस मामले में ज्यादा पीछे नहीं हैं।

भारत बना अफेयर का नया अड्डा?

पिछले कुछ समय में, भारत एशले मैडिसन के लिए एक बड़ा मार्केट बनकर उभरा है। जून 2025 के साइनअप डेटा के अनुसार, भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों के लोग सीक्रेट अफेयर रखने के मामले में मेट्रो शहरों के लोगों को पीछे छोड़ रहे हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि तमिलनाडु का एक छोटा सा शहर कांचीपुरम, जिसकी कुल आबादी महज दो लाख है, इसमें टॉप स्थान पर है। वैसे तो तमिलनाडु का कांजीपुरम अबतक अपनी शानदार साड़ियों और मंदिरों के लिए मशहूर था, लेकिन अब ये भारत का नया अफेयर जोन बनने के बाद से सुर्खियों में है। एशले मैडिसन के जून 2025 डेटा के मुताबिक, कांजीपुरम भारत के उन 20 जिलों में सबसे ऊपर है, जहां के शादीशुदा लोग इस डेटिंग ऐप पर सबसे ज्यादा साइनअप कर रहे हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि तमिलनाडु का यह छोटा सा शहर पिछले साल 17वें नंबर पर था और इस साल इसने सीधा टॉप पर छलांग लगाई है। कांजीपुरम के बाद बड़े दिल वालों की दिल्ली दूसरे नंबर पर है। यहां रहने वालों के दिल एक साथ कई लोगों के लिए धड़कते हैं। तीसरे नंबर पर दिल्ली से सटा गुरुग्राम है, जो राजधानी की संगति से प्रभावित है।

टॉप 20 में कौन-कौन हैं?

दिल्ली के छह जिले और एनसीआर के 3 शहर गुड़गांव, गाज़ियाबाद और नोएडा, सभी टॉप 20 में शामिल हैं। इनके अलावा जयपुर, रायगढ़ और चंडीगढ़ जैसे टियर-2 शहर, अब डेटिंग के साथ-साथ अफेयर के मैदान में भी दिल्ली से कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि माया नगरी मुंबई का नाम टॉप 20 में शामिल नहीं है। सिर्फ साइनअप ही नहीं, एक और खुलासा अप्रैल में हुआ जब एशले मैडिसन ने ङ्मश्चह्लश्1 के साथ मिलकर सर्वे किया। भारत और ब्राज़ील उन दो देशों में शामिल हैं जहां 53ल्न लोगों ने खुलेआम कबूल किया कि उनका अफेयर रहा है। एशले मैडिसन के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर, पॉल केबल ने कहा, भारत रिश्तों की परिभाषा को नए सिरे से गढ़ रहा है। उनके मुताबिक, भारत उनके ग्लोबल मार्केट में छठे नंबर पर है, और उम्मीद है कि साल के अंत तक और ऊपर जाएगा। उन्होंने यह भी कहा, हम लोगों को ये विकल्प देते हैं कि वो अपने रिलेशनशिप्स को बिना बताए एक्सप्लोर कर सकें, सुरक्षित, गुप्त और बिना जजमेंट के।

आदमियों में तनाव : सैयारा ने दर्द दिखाया लेकिन हम सब बस प्यार देखते रह गए

सैयारा फिल्म पुरुषों के डिप्रेशन को दिखाती है, जिसे अक्सर प्यार या रोमांस के पीछे नजरअंदाज कर दिया जाता है। यह बताता है कि पुरुष डिप्रेशन को गुस्से, अकेलेपन या सब ठीक होने के दिखावे से छुपाते हैं, जो महिलाओं के डिप्रेशन से अलग और कम दिखता है लेकिन उतना ही गंभीर होता है। इस फिल्म के जरिए पुरुषों के इस अंदरूनी दर्द को समझना बेहद ज़रूरी है।

2013 में जब आशिकी 2 रिलीज हुई, तो उसकी कहानी, गाने और आदित्य रॉय कपूर का किरदार लोगों को बहुत पसंद आया। लेकिन ज्यादातर लोगों ने उस किरदार के डिप्रेशन और अंदरूनी दर्द को नजरअंदाज कर दिया। अब सालों बाद सैयारा फिल्म रिलीज हुई है, और इसकी कहानी और गानों ने फिर से लोगों का दिल जीत लिया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहे हैं, लोग खासकर पुरुष इस फिल्म को देखते हुए रोते नजर आ रहे हैं। लेकिन हैरानी की बात ये है कि अब भी कोई 'पुरुष डिप्रेशन' पर बात नहीं कर रहा।

अपने पार्टनर के साथ इस तरह लें रोमांटिक मौसम का मजा

मनोवैज्ञानिक ऐश्वर्या पुरी बताती हैं कि सैयारा फिल्म में अहान पांडे का किरदार, कृष कपूर, बाहर से बिल्कुल ठीक लगता है। वो मुस्कुराता है, मजाक करता है, फ्लर्ट करता है, पार्टी करता है, शराब पीता है, लेकिन भीतर ही भीतर टूट रहा होता है। दरअसल, पुरुषों का डिप्रेशन हमेशा आंसुओं या उदासी की शक्ल में सामने नहीं आता। कई बार यह गुस्से, चुप्पी, या बेरुखी के रूप में नजर आता है। कभी-कभी यह मैं बहुत बिजी हूं के बहाने में छुप जाता है, और कभी अब मुझे किसी बात की परवाह नहीं जैसी उदासीनता में बदल जाता है। याद रखिए, पुरुषों का डिप्रेशन, महिलाओं के डिप्रेशन जैसा नहीं होता। यह अक्सर कम दिखता है, लेकिन उतना ही गंभीर होता है। इसे समझना और पहचानना बेहद जरूरी है।

1. बार-बार गुस्सा या चिड़चिड़ापन

जब कोई पुरुष डिप्रेशन में होता है, तो अक्सर उसका गुस्सा बेकाबू हो जाता है। छोटी-छोटी बातें भी उसे बहुत ज्यादा परेशान करने लगती हैं, और वह बेवजह चिडचिडाने लगता है। सामने वाले के लिए यह समझना मुश्किल हो जाता है कि आखिर परेशानी क्या है। सैयारा में कृष का गुस्सा कई बार खुलकर सामने आता है। वह लोगों से बेवजह उलझता है, क्योंकि वह अपने अंदर के दर्द और बेचैनी को किसी से बांट नहीं पाता।

सैयारा सिर्फ ये नहीं दिखाती कि जब एक पुरुष प्यार करता है, तो वो क्या करता है बल्कि ये भी दिखाती है कि जब एक पुरुष टूटता है, अकेला महसूस करता है, और अंदर ही अंदर डिप्रेशन से जूझता है, तब क्या होता है। एक पुरुष के मानसिक संघर्ष की कहानी, जिसे समझना और महसूस करना बहुत जरूरी है।

2. अकेले रहना पसंद करना और लोगों से दूरी बनाना

डिप्रेशन में व्यक्ति दुनिया से कटने लगता है। उसे अकेलापन रास आने लगता है, लेकिन यही अकेलापन उसे अंदर ही अंदर और ज्यादा तोडता चला जाता है। वह दोस्तों और परिवार से बातचीत बंद कर देता है, और सामाजिक मेलजोल से बचने लगता है। सैयारा में कृष बाहर से भले ही मिलनसार और खुशमिजाज दिखता हो, लेकिन असल में वह खुद को सबसे अलग कर चुका होता है। उसकी खिलखिलाती मुस्कान के पीछे एक गहरी उदासी और अकेलापन छिपा होता है।

4. सब ठीक है का दिखावा करना

कई बार पुरुष अपने डिप्रेशन को छुपाने के लिए यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि उनकी जिंदगी में सब कुछ बिलकुल ठीक है। वे मुस्कुराते हैं, मजाक करते हैं और सामान्य व्यवहार करते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर वे बहुत दुखी और टूटे हुए होते हैं। सैयारा में कृष भी बाहर से हर चीज सामान्य होने का दिखावा करता है।

किसी भी चीज में दिलचस्पी न रह जाना

डिप्रेशन में व्यक्ति को अपने पसंदीदा कामों, रिश्तों या यहां तक कि अपनी जिंदगी में भी कोई खुशी या मजा महसूस नहीं होता। उसे लगता है कि अब किसी भी चीज का कोई मतलब नहीं है, और उसकी सारी दिलचस्पी खत्म हो जाती है। सैयारा में कृष का व्यवहार कई बार ऐसा लगता है जैसे उसे किसी बात की परवाह ही नहीं, न अपने करियर की, न रिश्तों की, और न ही खुद की भलाई की।

नशे या शराब का सहारा लेना

डिप्रेशन से जूझते पुरुष अक्सर अपनी तकलीफों को भुलाने या उनसे बचने के लिए शराब या नशे का सहारा लेने लगते हैं। उन्हें लगता है कि इससे उनका दर्द कम हो जाएगा, लेकिन यह सिर्फ एक अस्थायी राहत होती है जो समस्या को और बढा देती है। सैयारा फिल्म में कृष कपूर बार-बार शराब पीते हुए नजर आता है, मानो वह अपने अंदर के खालीपन और बेचैनी से भागने की कोशिश कर रहा हो।

वह लोगों के साथ हंसता है, फ्लर्ट करता है, लेकिन यह सब उसके गहरे दर्द को छुपाने का एक तरीका होता है।

6. बहुत ज्यादा थकान या नींद में परेशानी

डिप्रेशन से जूझ रहे पुरुष अक्सर नींद से जुडी समस्याओं का अनुभव करते हैं। या तो वे बहुत कम सो पाते हैं, या फिर बहुत ज्यादा। उन्हें हर समय थकान महसूस होती है, जैसे सिर्फ शरीर ही नहीं, बल्कि उनका मन भी बुरी तरह थक गया हो। सैयारा में कृष कपूर का चेहरा कई बार थका हुआ और बुझा-बुझा सा लगता है। जैसे उसके अंदर की सारी ऊर्जा और रोशनी कहीं खो गई हो, और वह लगातार भारीपन महसूस कर रहा हो।

प्री वेडिंग शूट के लिए परफेक्ट हैं ये जगहें, रॉयल्टी और रोमांस के लिए दिखेगा दोगुना

अगर आप भी अपनी लव स्टोरी को कैमरे में यादगार और रोमांटिक लम्हे के तौर पर कैप्चर करना चाहते हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की सबसे बेहतरीन प्री-वेडिंग फोटोशूट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आज के समय में लोग हर खास मौके को यादगार बनाना चाहते हैं। शादी दो लोगों की जिंदगी का सबसे खास मौका होता है। शादी से पहले पार्टनर के साथ खूबसूरत हर पल को यादों के तौर पर सेलिब्रेट करने के लिए लोग प्री वेडिंग शूट कराते हैं। आजकल हर कपल के लिए प्री-वेडिंग फोटोशूट एक खास याद बन चुका है। कपल प्री वेडिंग शूट के लिए ऐसी जगहों की तलाश में होते हैं, जहां पर उनका प्यार और रोमांस दोगुनी खूबसूरती के साथ दिखे। ऐसे में कपल के लिए लोकेशन का चुनाव सबसे बड़ा फैसला होता है। क्योंकि यह तय करता है कि आपकी तस्वीर में कितनी रॉयल्टी, रोमांस और कलेक्शन होगा। अगर आप भी अपनी लव स्टोरी को कैमरे में यादगार और रोमांटिक लम्हे के तौर पर कैप्चर करना चाहते हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की सबसे बेहतरीन प्री-वेडिंग फोटोशूट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती, जरूर करें एक्सप्लोर

उदयपुर

राजस्थान का उदयपुर शहर रॉयल लव स्टोरी के लिए बेस्ट माना जाता है। यहां पर सिटी पैलेस, पिछोला और जग मंदिर के बीच कपल प्री वेडिंग शूट करा सकते हैं। यहां महलों की भव्यता और पारंपरिक राजस्थानी टच आपकी तस्वीरों के आकर्षण को बढ़ा सकती है। दिन के समय झील और शाम को रिफ्लेक्शन फोटो आइडिया को कपल अपना सकते हैं। मार्च से अक्तूबर के बीच उदयपुर प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है।

लेह-लद्दाख

लेह-लद्दाख में एडवेंचर और रोमांस के कॉम्बिनेशन के साथ प्री वेडिंग शूट कर सकते हैं। इसके लिए कपल लद्दाख के हेमिस जा सकते हैं। यहां पर एक प्रसिद्ध बौद्ध मठ और राष्ट्रीय उद्यान है। यहां का नीला आसमान, बर्फ से ढके पहाड़ और खुला मैदान आपकी तस्वीरों में खूबसूरत रंग भर देंगे। आपको ट्रेडिशनल शूट से लेकर बाइक राइड तक का मौका मिलता है। कपल्स के लिए यह डेस्टिनेशन आइडियल है। ऐसे में मई से सितंबर के बीच लद्दाख में प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए जा सकते हैं।

गुलमर्ग

बर्फबारी के बीच फेयरीटेल वाइब्स और रोमांस के लिए गुलमर्ग को प्री वेडिंग शूट कर सकते हैं। यहां का वाइट बैकग्राउंड के बीच लाल रंग की ड्रेस में क्लासिक फोटो क्लिक करा सकते हैं। प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए स्की रिसॉर्ट्स और केबल कार व्यू परफेक्ट ऑप्शन है। यहां पर आप बॉलीवुड फिल्मों जैसी तस्वीर और शॉट्स आसानी से क्लिक कर पाएंगे। यहां पर जाने के लिए दिसंबर से फरवरी तक का समय सबसे अच्छा है।

केरल

वहीं केरल में भी कपल बैकवॉटर में बोट लव थीम पर फोटोशूट करा सकते हैं। यहां कपल को हाउसबोट पर रोमांटिक पोज़ देने का मौका मिलेगा। वहीं नारियल के पेड़ों के बीच नैचुरल बैकग्राउंड में आपकी तस्वीर बेहतरीन इफेक्ट का काम करेगा। यहां पर प्री वेडिंग शूट क्लासिक और अलग बन जाएगा। केरल में आप अगस्त से मार्च तक कभी भी फोटोशूट के लिए पहुंच सकते हैं।

हम्पी

अगर आपको रस्टिक और कल्चरल थीम पसंद है, तो कर्नाटक का हम्पी शहर परफेक्ट जगह हो सकती है। यहां के खंडहर, प्राचीन मंदिर और रॉयल स्ट्रक्चर की वाइब्स कपल की कैमेस्ट्री और तस्वीरों की सुंदरता को बढ़ा सकती है। सिंपल कपड़ों में भी आपको एलिगेंस लुक मिल जाएगा। हम्पी आउटडोर प्री-वेडिंग के लिए नया ट्रेंड बन रहा है। हम्पी आने और प्री-वेडिंग शूट के लिए नवंबर से फरवरी का महीना बेस्ट टाइम हो सकता है।

लैपटॉप को गोद में रखकर काम करने से हो सकती है फर्टिलिटी की समस्या

अधिकतर महिलाएं लैपटॉप पर काम करने के दौरान इसको गोद में रखकर इस्तेमाल करती हैं। आपने सुना होगा कि इसका फर्टिलिटी पर असर होता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या लैपटॉप को गोद में रखकर दिनभर काम करना महिलाएं के लिए सेफ है।

आजकर अधिकतर महिलाएं घर से बाहर निकलकर अलग-अलग फील्ड में खुद को साबित कर रही हैं। ऐसे में लैपटॉप भी हम सभी की जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन गया है। फिर चाहे ऑफिस का काम हो, पढ़ाई हो या रिमोट जॉब हो, लैपटॉप के बिना कुछ भी कर पाना काफी मुश्किल होता है। वहीं अधिकतर महिलाएं लैपटॉप पर काम करने के दौरान इसको गोद में रखकर इस्तेमाल करती हैं। आपने सुना होगा कि इसका फर्टिलिटी पर असर होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के

जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या लैपटॉप को गोद में रखकर दिनभर काम करना महिलाएं के लिए सेफ है। महिलाओं के लिए गोद में रखकर दिनभर लैपटॉप को काम करना सेफ है या नहीं। एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकतर महिलाएं जो रिमोट जॉब करती हैं या फिर पढ़ाई कर रही हैं, तो वह लंबे समय तक लैपटॉप को गोद में रखकर काम करती हैं। जोकि मेडिकल के लिहाज से भी सही नहीं है। इससे महिलाओं को नुकसान हो सकता है। जब भी आप लैपटॉप को गोद में रखकर काम करते हैं, तो लैपटॉप से हीट पैदा होती है। वहीं त्वचा के संपर्क में आकर यह स्किन को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसा लंबे समय तक करते रहने से टोस्टेड स्किन सिंड्रोम हो सकता है। इसके कारण त्वचा पर धब्बे हो सकते हैं। या फिर स्किन का रंग बदल सकता है या स्किन इरिटेशन होने लगती है। लंबे समय तक लैपटॉप को गोद में रखकर काम करती हैं, तो इसका त्वचा पर बुरा असर हो सकता है। तो वहीं कुछ मामलों में क्रॉनिक इंफ्लेमेशन की वजह से स्किन कैंसर हो सकता है। इसलिए लैपटॉप को गोद में रखकर घंटों तक काम करना सही नहीं है। बता दें कि लैपटॉप को गोद में रखकर इस्तेमाल करने से पेल्विक एरिया में हीट को बढ़ा सकती है, जिसका फर्टिलिटी पर भी बुरा असर होता है।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

जानिए एक्सपर्ट की राय

लैपटॉप का रेडिएशन और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड खतरे की वजह बन सकते हैं। खासकर यदि आप प्रेग्नेंट हैं, तो इसके कारण फीटस पर बुरा असर हो सकता है। लेकिन लो लेवल के इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड से अमूमन अधिक खतरा नहीं होता है। अगर आपको इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड से सेंसिटिविटी है, तो ज्यादा समय तक लैपटॉप को गोद में रखकर काम करने से आपको सिर में दर्द हो सकता है। लैपटॉप को गोद में रखकर काम करने के दौरान आपका जो बॉडी पॉश्चर होता है, वह भी काफी नुकसानदेह होता है। इस दौरान आपके कंधे झुके होते हैं और गर्दन भी नीचे की तरफ होती है। लंबे समय तक ऐसा करने से गर्दन, कंधों और पीठ में दर्द हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो अगर आप लंबे समय तक लैपटॉप पर काम करती हैं, तो इसको गोद में नहीं रखना चाहिए। इसलिए लैपटॉप को टेबल या स्टैंड पर रखना चाहिए। वहीं कूलिंग पैड का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।